SMT. GOVINDI DEVI SAHARIA GOVERNMENT SHASTRI SANSKRIT

COLLEGE KALADERA JAIPUR 303801 (RAJASTHAN)

Self – Study Report

NAAC 2015

DR. SITA RAM DOTOLIA

Year of Establishment 1972		Contact No. 01423-265482	2015

Submited to :

National Assessment and Accreditation Council

Banglore - 560010, India

2015

EMAIL- GDS.GOVT @ GMAIL.COM

WEB: WWW.GDS GOVT SANSKRIT COLLEGE KALADERA .COM

SMT. GOVINDI DEVI SAHARIA GOVERNMENT SHASTRI SANSKRIT COLLEGE KALADERA JAIPUR 303801 (RAJASTHAN)

NAAC 2015

Self-Study Report

Submitted to:

National Assessment and Accreditation Council

2/4, Dr. Rajkumar Road, Post Box No. 1075

Rajajinagar, Banglore – 560010, India

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

CONTENTS

	Page No.
Preface	**1**
Executive Summery	**1**
Profile of Government Shastri Sanskrit	
College Kaladera	**5**
1.Criterion I: Curricular Aspects	**12**
1.1 Curriculum Planning and Implementation	**13**
1.2 Academic Flexibility	**14**
1.3 Curriculum Enrichment	**14**
1.4 Feedback System	**14**
2. Criterion II Teaching – learning And Evaluation	**15-19**
2.1 Student Enrolment and Profile	**16**
2.2 Catering to Student Diversity	**17**
2.3 Teaching – Learning Process	**17**
2.4 Teacher Quality	**18**
2.5 Evaluation Process and Reforms	**19**
3. Criterion III: Infrastructure and Learning Resources	**20**
3. 1 Physical Facilities	**20**
3.2 Library as a Learning Resource	**21**
3.3 IT Infrastructure	**21**

3.4 Maintenance Of Campus Facilities **22**

4. Criterion IV: Student support and progression **22-28**

4.1 Student Mentoring and Support **23**

4.2 Student progression **24**

4.3 Student Participation and Activites **25**

4.4. Committees and Development **28**

5. Criterion V: Governance, Leadership and Management **33-36**

5.1 Institutional Vision and Leadership **33**

5.2 Strategy Development and deployment **34**

5.3 Faculty Empowerment Strategies **36**

5.4 Finacial management and Resource Mobilization **36**

6. Criterion VI: Innovations and Best Practices **37-38**

6.1 Innovations **37**

6.2 Best Practices **38**

7. EVALUATIVE REPORTS OF THE DEPARTMENTS **40-82**

7.1 Sanskrit Vangmay **40**

7.2 SHUKLA YAJURVEDA **45**

7.3 Sahitya **51**

7.4 Vyakaran **60**

7.5 Hindi **62**

7.6 Political Science **68**

7.7 Library **74**

7.8 Sports **73**

7.9 English **82**

8. Social Responsibilites and Extension Activities **83-87**

8.1 Internal Quality Assurance Cells **83**

8.2 NCC **84**

8.3 Anti Ragging **84**

8.4 UGC Cell **85**

8.5 Women Cell **86**

8.6 Career and Counseling and Placement **87**

8.7 Environment Pratection **87**

Annexure I: Declaration by the Principal **89**

Annexure II: Undertaking Certificate **90**

Annexure III: Certificate of Affiliation

Annexure IV: Proof for 2(f) and 12 (b) recognition from UGC

Annexure V:Proof of Equialence of degrees

PREFACE

राजस्थान राज्य की राजधानी जयपुर से मात्र 40 कि.मी. दूर स्थित भामाशाहओं द्वारा शैक्षिक रूप से उन्नत, ऐतिहासिक कालाडेरा नामक ग्राम में स्थित राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना सेठ श्री घीसालाल जी सहरिया द्वारा सन् 1940 में की गई थी। पं. श्री हनुमान प्रसाद व्याकरणाचार्य द्वारा प्रथम–मध्यमा (वाराणसी) स्तर पर इसका प्रारम्भ कालाडेरा ग्राम स्थित मुरली मनोहर जी के मन्दिर में हुआ। तत्पश्चात् 1945 में मध्यमा स्तर तक यह संस्था राज्याधीन हो गई तथा किराये के मकान में ही इसका संचालन होता रहा । सन् 1956 में प्रवेशिका उपाध्याय कक्षाऐं प्रारम्भ हुई तथा 1971 में शास्त्री स्तर पर क्रमोन्नत हुई।

भवनः–

सेठ श्री घीसालाल सहरिया ने अपनी पत्नी श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया की पुण्य स्मृति में 40,000 रूपये की लागत का वर्तमान भवन बनाकर विद्यालय को समर्पित किया जिसका लोकार्पण तत्कालीन विधान सभाध्यक्ष श्री रामनिवास मिर्धा के कर कमलों से सन् 1959 में सम्पन्न हुआ। सन् 1973 में जन सहयोग व राज्य सरकार द्वारा महाविद्यालय की ऊपर की मंजिल का निर्माण हुआ। वर्तमान मे इस महाविद्यालय मे 19 कक्ष तथा 20X25 का पुस्तकालय कक्ष एवं 47X25 का सेमीनार हॉल निर्मित है। महाविद्यालय के पास 9 बीघा का क्रीडांगण है जिसमें 66X44 के इण्डोर बॉलीबाल स्टेडियम के साथ अन्य सुविधाओं से युक्त इण्डोर स्पोर्ट्स स्टेडियम भी निर्मित है। इसका निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से किया गया है। जिसके चारो तरफ पक्की दीवार का निर्माण श्री मदन लाल भाला के पुत्रों द्वारा करवाया गया है।

संस्कृत भाषा के समुन्नयन एवं शास्त्रीय विषयों का संरक्षण करने हेतु सदैव तत्पर यह संस्था वर्तमान कालिक चुनौतियों की प्रति भी सजग है और आधुनिक युग के अनुकूल कम्प्यूटर शिक्षा, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण शिक्षा एवं अध्ययन–अध्यापन में नवीन विधाओं के प्रयोग जैसे नवीन विषयों एवं एन.एस.एस. (N.S.S.) जैसी गतिविधियों के माध्यम से छात्रों को दक्षता प्रदान करने में संलग्न है।

(डॉ0 सीताराम दोतोलिया)

Executive summary :

राजस्थान प्रान्त में सन् 1972 में स्थापित यह महाविद्यालय संस्कृत शिक्षा के अध्ययन–अध्यापन के अद्वितीय केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठित है। सम्प्रति संस्कृत के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से संस्कृत वाड्.

मय के विविध पक्षों के उद्घाटनार्थ यजुर्वेद –व्याकरण शास्त्र एवं साहित्य शास्त्र जैसे विषयों के साथ नवीन अनुसन्धान कार्य सम्पादित किये जात रहे है। महाविद्यालय में वर्तमान में 3 शास्त्रीय विषयों के

विभागों के साथ 3 आधुनिक विषयों अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी साहित्य एवं राजनीति विज्ञान का भी अध्यापन करवाया जाता है। वर्तमानयुगीन अपेक्षाओं को दृष्टिपथ में रखते हुये अनिवार्य रूप से कम्प्यूटर शिक्षा एवं पर्यावरण शिक्षा का अध्यापन भी करवाया जाता है।

भावी दृष्टि (Our Vision)

भारतीय संस्कृति, धर्म, आदर्श एवं नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना , एवं संरक्षण ही महाविद्यालय का दृष्टिकोण रहा है। इस उद्देश्य से महाविद्यालय में यजुर्वेद के अध्ययन की व्यवस्था की गई। जिसके अन्तर्गत निहित नियमों एवं आदर्शो से छात्रों एवं समाज को अवगत कराया जा सके। क्योंकि वेद न केवल हमे संस्कारित करता है बल्कि भारतीय धर्म और संस्कृति के प्रति अनुशासित भी रखता है। इसके साथ ही शब्दों के शुद्धिकरण निर्माण एवं व्युत्पत्ति आदि प्रक्रिया एवं प्राचीन साहित्य से अवगत कराने हेतु संस्कृत व्याकरण शास्त्र तथा साहित्य शास्त्र के अध्ययन अध्यापन की व्यवस्था भी यहॉ उपलब्ध है। जिससे भारत वर्ष की सेवार्थ आदर्श शिक्षक, श्रेष्ठ नागरिक एवं कर्त्तव्य निष्ठ व्यक्तित्व का निर्माण सम्भव हो सके।

लक्ष्य (Our mission)

महाविद्यालय का ध्येय वाक्य है –

''असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय मृत्योर्माऽमृतंगमय'' । इसी ध्येय वाक्य को लक्ष्य बनाकर महाविद्यालय अनवरत आगे बढ़ रहा है ओर स्वयं के लिए निम्नलिखित सामान्य एवं विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किये हैं:–

विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों एवं नेतृत्व के गुणों का विकास करना ।

सामाजिक और नागरिक दायित्व बोध की भावना का विकास करना।

आदर्श शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना।

नवीन शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से शिक्षण–व्यवस्था।

आधुनिक युगीन उच्च–शिक्षा प्रदान करना।

आत्मविश्वास अभिवृद्धि हेतु विद्यार्थियों को व्यापक मंच उपलब्ध करवाना।

विषयों में रूचि जागृत करने हेतु – समुचित पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाना।

बाह्य ज्ञान एवं सामान्य ज्ञान मे अभिवृद्धि हेतु वाचनालय एवं पुस्तकालय के माध्यम से छात्रों को पर्याप्त सामग्री उपलब्ध करवाना।

छात्रसंघ को अधिक व्यावहारिक बनाना।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

राष्ट्रीय पर्व एवं उत्सवों को उनके मौलिक सन्दर्भ मे मनाया जाना।
राष्ट्रीय समस्याओं के प्रति छात्रों को जागरूक करना।
विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रूचि जागृत करना एवं पर्याप्त सामग्री उपलब्ध करवाना।
विद्यार्थियों में राष्ट्रीय सेवा योजना, रेड क्रास स्काउट एवं अनेक सामुदायिक योजनाओं के माध्यम से साथ मिलकर कार्य करने की भावना का विकास करना।
आदर्श शिक्षक, श्रेष्ठ नागरिक एवं कर्त्तव्य परायण व्यक्तित्व का निर्माण करना।

महाविद्यालय में छात्रों के सर्वागीण विकास का लक्ष्य ध्यान मे रखते हुये समुचित वातावरण उपलब्ध करवाया जाता है। अध्ययन–अध्यापन प्रक्रिया में छात्रों की भागीदारी एवं उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु महाविद्यालय अपने आरम्भ काल से ही निम्नांकित विकासमान बिन्दुओं को संकलित कर उत्तरोत्तर विकास की ओर अग्रसर है–

1. छात्र नामांकन वृद्धि ।
2. छात्रो की कक्षा में नियमित उपस्थिति।
3. विषयाध्यापन स्तर में निरन्तर सुधार ।
4. अध्यापन कार्य का अनवरत मूल्यांकन।
5. पुस्तकालय एवं वाचनालय का अधिकतम उपयोग।
6. पर्व और उत्सवों का उनके मौलिक सन्दर्भों मे आयोजन ।
7. छात्रों की शारीरिक क्षमता का विकास।
8. छात्र व शिक्षक के कार्य पर महाविद्यालय प्रशासन की व्यक्तिगत दृष्टि ।
9. भौतिक संसाधनों का विकास।
10. संस्कृत सप्ताह समारोह ।
11. केरियर काउंसिल, एन.एस.एस. आदि विशिष्ट योजनाओं का नियमित संचालन।

उक्त बिन्दुओं के अनुसार प्रत्येक क्षेत्र मे सफलता का एक न्यूनतम लक्ष्य इस अपेक्षा के साथ रखा गया है कि किशोर एवं युवा–मन–मस्तिष्क में समस्याओं के प्रति रूझान एवं उनके निराकरण की भावना जागृत हो एवं ये पहलू एक दीर्घकालीन विकास के आधार स्तम्भ बनें।

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय में त्रिवर्षीय शास्त्री पाठ्यक्रम मे कुल छात्र संख्या 150 है। विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमानुसार विषय चयन की स्वतन्त्रता है। जगद्गुरू रामानन्दाचार्य

राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर से पूर्व यह महाविद्यालय राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर से सम्बद्ध था। वर्तमान में महाविद्यालय जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर से सम्बद्ध है एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा ज.रा.रा.सं. विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रम का अनुसरण करता है। महाविद्यालय के स्नातक देश के विभिन्न राजकीय, अर्द्धराजकीय एवं निजी संस्थाओं मे विभिन्न संवर्गीय पदों पर सेवारत राष्ट्र के विकास में अपना अपूर्व योगदान दे रहे हैं। महाविद्यालय के परिसर का क्षेत्रफल 2.41 एकड है एवं निर्मित क्षेत्र का क्षेत्रफल 646.65 वर्गमीटर है। महाविद्यालय में कुल 19 कक्ष है जिनमे 09 कक्षा कक्ष,01 सेमिनार कक्ष, एक कक्ष संगणक प्रायोगिक लेब, पुस्तकालय, वाचनालय, परीक्षा कक्ष, छात्र परामर्श एवं IQAC कक्ष, छात्रसंघ कार्यालय, मन्त्रालयिक कार्यालय, स्टोर कक्ष, एन.एस.एस. (N.S.S.) प्राचार्य कक्ष एवं क्रीडा कक्ष है। महाविद्यालय मे छात्र एवं छात्राओं हेतु भिन्न–भिन्न शौचालय विनिर्मित है।महाविद्यालय का अपना एक खेल मैदान भी है जो लगभग 9 बीघा है।

महाविद्यालय पुस्तकालय में पुस्तक संख्या 8000 के लगभग है। जो विभिन्न रेक्स एव अलमारियों में विषयानुसार संधारित है। इन्टरनेट तकनीक से समृद्ध एक कम्प्यूटर लैब है जिसका उपयोग छात्रों एवं प्राध्यापकों द्वारा I.T. क्षेत्र में ज्ञान अभिवृद्धि हेतु किया जाता है। महाविद्यालय मे छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु एन.एस.एस., सांस्कृतिक कार्यक्रम, संस्कृत सप्ताह समारोह, युवा सप्ताह इत्यादि अनेक गतिविधियॉ संचालित की जाती हैं इसके साथ ही छात्रों को रोजगारोन्मुखी एवं सही दिशा–निर्देश प्रदान करने हेतु–केरियर काउंसलिंग सेल संचालित है। जिसके तहत विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु छात्रों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं का संचालन किया जाता है। महाविद्यालय में संचालित छात्रपरामर्श केन्द्र द्वारा छात्रों को समय समय पर उचित परामर्श प्रदान किया जाता है ।

छात्राओं को संस्था में सुरक्षित वातावरण उपलब्ध हो सके, इसके लिए महिला प्रकोष्ठ (गरिमा हेल्प लाईन) संचालित है।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

4.

Profile of Government Shastri Sanskrit College Kaladera, Jaipur

1. नाम एवं पता

नम : श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा (जयपुर)
पता : ग्राम कालाडेरा वाया– चौमूँ जिला– जयपुर (राज.) पिन नं.– 303801
वेबसाइट : www. GDS Govt. Sanskrit College Kaladera . Com
Email : GDS. Govt. @ gmail . Com

2.सम्प्रेषण के लिए

पद नाम	नाम	दूरभाष	मो. नं.	फेक्स	ई – मेल
प्राचार्य	डॉ0 सीताराम दोतोलिया	01423–265482	9982277300	265482	Dr.SITARAM99@Gmail.Com

3.संस्था की स्थिति

i.सम्बद्ध महाविद्यालय (√)

ii.संघटक ( )

iii.अन्य ( )

4. A संस्था का प्रकार

1. पुरूष ( )

2. महिला ( )

3. सहशिक्षा (√)

Bपारी

1. नियमित (√)
2. दिन ( )
3. सांय ( )

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

5.क्या संस्था मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्था है? नहीं

6.आय के स्त्रोत

सरकारी (√)

अनुदानित ( )

स्ववित पोषित ( )

अन्य (विकास शुल्क/दानदाताओं द्वारा)

7.Aमहाविद्यालय की स्थापना तिथि सन् 1972

Bसम्बद्ध विश्वविद्यालय : जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

Cविश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्यता का विवरण

सेक्शन	वर्ष	टिप्पणी
2 (एफ)	4.06.1999	संलग्न
12 (बी)	4.06.1999	संलग्न

D यू.जी.सी. के अलावा अन्य संस्थाओं से मान्यता का विवरणः

8. क्या सम्बद्धता प्राप्त विश्वविद्यालय के अधिनियम के अन्तर्गत संस्था को स्वायत्तता प्राप्त है? नहीं

9.A क्या महाविद्यालय को यू जी सी द्वारा सी पी ई की मान्यता प्राप्त है ? नहीं

B क्या महाविद्यालय को सरकार से मान्यता प्राप्त है ?

निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान जयपुर से मान्यता प्राप्त है।

मान्यता प्राप्ति तिथि/वर्ष 1972

10.महाविद्यालय का परिसर और वर्ग मीटर में क्षेत्रफल

परिसर	**ग्रामीण**
परिसर का क्षेत्रफल एकड़ में	**2.41 एकड**
निर्मित क्षेत्र का क्षेत्रफल वर्ग मीटर में	**646.65 वर्ग मीटर**

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, कालाडेरा (जयपुर)

6.

11.महाविद्यालय परिसर में उपलब्ध सुविधाएँ

. ओडिटोरियम/आधारभूत सुविधाओं सहित सेमीनार हॉल हाँ (1)

. क्रीडा सुविधाएँ हाँ

. खेल का मैदान हाँ

. तरणताल नहीं

. जिमनेजियम हाँ

. छात्रावास नहीं

. 1. पुरूष छात्रावास नहीं

. 2. महिला छात्रावास नहीं

. 3. विवाहित विद्यार्थियों के लिए छात्रावास नहीं

. . कर्मचारी एवं मन्त्रालय वर्ग हेतु आवासीय सुविधा नहीं

. (राज्य सरकार नियमानुसार मकान किराया भत्ता प्रदान करती है।)

. कैफेटेरिया नहीं

. स्वास्थ्य केन्द्र नहीं

. बैंक नहीं

. पोस्ट आफिस नहीं

. छात्रों एवं स्टाफ के लिए परिवहन व्यवस्था नहीं

. पशुगृह नहीं

. जैविक अवशिष्ट निस्तारण नहीं

. जनरेटर अथवा वॉल्टेज नियन्त्रण व्यवस्था हॉ

. सोलिड वेस्ट मेनेजमेण्ड नहीं

. वेस्ट वाटर मेनेजमेण्ट नहीं

. वाटर हारवेस्टिंग नहीं

12.महाविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमः (वर्तमान सत्र) 2015–16

क.सं.	प्रोग्राम लेवल	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	अर्हता	माध्यम	स्वीकृत सीट्स	प्रविष्ट छात्रों की संख्या
1.	स्नातक	शास्त्री	3 वर्ष	वरिष्ठ उपाध्याय/सी. सैकेण्डरी	संस्कृत (आधुनिक विषय हिन्दी/अंग्रेजी माध्यम से)	120X3= 360	150

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

7.

13.क्या महाविद्यालय स्ववित्त पोषित कार्यक्रम संचालित करता है ? **नहीं**

14.विगत पॉच वर्षो में महाविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किए गए नए पाठ्क्रम ? **नहीं**

15. विभागों की सूची

विवरण	स्नातक	स्नातकोत्तर	अनुसन्धान
संस्कृत फैकल्टी	07	Nil	Nil

16.पाठ्यक्रमों की संख्या

अ. वार्षिक व्यवस्था हॉ

ब. सेमेस्टर व्यवस्था नहीं

स. त्रिसेमेस्टर व्यवस्था नहीं

17.कार्यक्रमों की संख्या

अ. च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम नहीं

ब. इण्डटर/मल्टी डिसिप्लीनरी अप्रोच नहीं

स. अन्य नहीं

18.क्या महाविद्यालय शिक्षक प्रशिक्षण का स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है? नहीं

19.क्या महाविद्यालय शारीरिक शिक्षा का स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित

करता है? नहीं

20.शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ की संख्या

स्थिति	शैक्षणिक स्टाफ		अशैक्षणिक स्टाफ		तकनीकी स्टाफ	
राज्य सरकार द्वारा	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
स्वीकृत पद	10	Nil	04	01	Nil	Nil

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

21.शैक्षणिक स्टाफ की योग्यता

उच्चतम योग्यता	चयनित वेतनमान 8000–9000		वरिष्ठ वेतनमान 7000		प्रारम्भिक वेतनमान	
डी लिट्	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
पी एच डी	02	Nil	Nil	Nil	01	Nil
एम. फिल	01	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
पी. जी.	02	Nil	Nil	Nil	04	Nil
अस्थायी व्याख्याता						
	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
डी लिट्	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
पी.एच.डी.	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
एम.फिल	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
पी.जी.	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
अंशकालिक व्याख्याता						

पी.एच.डी.	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
एम.फिल	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
पी.जी.	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

22.विजिटिंग / गेस्ट फेकल्टी

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

श्रेणी	सत्र 2014–15		सत्र 2013–14		सत्र 2012–13		सत्र 2011–12	
	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला	पुरूष	महिला
एस.सी.	23	24	26	33	27	32	31	14
एस.टी.	06	03	06	08	06	09	08	10
ओ.बी.सी.	29	59	33	72	34	72	43	42
सामान्य	21	08	29	15	27	15	27	18
अन्य	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

24.वर्तमान सत्र में प्रविष्ट विद्यार्थियों के नामांकन का विवरण

विद्यार्थियों का प्रकार	यू.जी.	पी.जी.	एम.फिल.	पी.एच.डी.	योग
राजस्थान राज्य के विद्यार्थियों की संख्या	150				150
अन्य राज्यों के विद्यार्थियों की संख्या	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil

एन. आर. आई .	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
विदेशी विद्यार्थी	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
कुल योग	150	Nil	Nil	Nil	150

25.ड्रॉप आउट छात्रों की संख्या (विगत दो वर्षो का औसत)

यूजी 15(2015–16)

26.शिक्षा की प्रति इकाई लागत

अ. वेतन सहित 5300 लगभग प्रतिमाह

ब. वेतन रहित 530 लगभग

27. क्या महाविद्यालय द्वारा शिक्षा कार्यक्रम संचालित किया जाता है? नहीं

28. शिक्षक विद्यार्थी अनुपात

यू.जी. 25.1

29.क्या महाविद्यालय ने अक्रेडिऐशन के लिए आवेदन किया है?

अक्रेडिटेशन साइकिल 1 साइकिल 2

साइकिल 3 साइकिल 4

30.अक्रेडिअऐशन की तिथिः आवेदित – 13.08.2014

31.विगत सत्र (2014–15) कार्यदिवस 211

32.विगत सत्र में शैक्षणिक दिवस 211

33.**IQAC** स्थापना की तिथि – 04.04.2014

34.**AQAR** प्रस्तुत करने बाबत विवरणः **NACC** के लिए आवेदन किया हुआ है।

35.अन्य कोई विवरणः **Nil**

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

1. Criterion CURRICULAR ASPECTS

1.पाठ्यचर्या निर्माण एवं विकास

यह महाविद्यालय जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर से सम्बद्ध है एवं विश्वविद्यालय द्वारा यू.जी.सी. के दिशा– निर्देशानुसार पाठ्यक्रम तैयार किया जाता है । इस संस्था के प्राध्यापक जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,जयपुर, राजस्थान लोकसेवा आयोग, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर आदि संस्थाओं में विषयगत विशेषता प्रदान करते हैं। जिसका विवरण निम्नांकित है–

Table- 1.1

क्र.सं.	प्राध्यापक	विषय	स्थिति
1.	डॉ0 सीताराम दोतोलिया	संस्कृत वाड्.मय	प्रश्न पत्र निर्माण एवं मूल्यांकन प्रक्रिया आदि में सहयोग ज.रा.रा.सं.वि.वि.जयपुर
2.	श्री जानकी वल्लभ शर्मा	साहित्य	प्रश्न पत्र निर्माण एवं मूल्यांकन प्रक्रिया आदि में सहयोग ज.रा.रा.सं.वि.वि.जयपुर
3.	डॉ0 शम्भुनाथ मिश्र	यजुर्वेद	सदस्य अध्ययन मण्डल बोर्ड ज.रा.रा.सं. वि.वि.जयपुर
4.	श्री सुरेश चन्द शर्मा	हिन्दी	प्रश्न पत्र निर्माण एवं मूल्यांकन प्रक्रिया आदि में सहयोग ज.रा.रा.सं.वि.वि.जयपुर
5.	श्री बृजबिहारी लाल पुरोहित	राज. विज्ञान	सदस्य पाठ्यक्रम निर्माण समिति ज.रा.रा. सं.वि.वि. जयपुर

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

विश्वविद्यालय द्वारा समीक्षा एवं प्राप्त फीडबैक के आधार पर पाठ्यक्रम मे समय–समय पर संशोधन एवं परिवर्धन किया जाता है। कम्प्यूटर शिक्षा और पर्यावरण अध्ययन को भी पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया है। ग्रामीण पृष्ठभूमि होने के कारण छात्रों में नवीन तकनीकी के प्रति रूचि जागृत करने एवं ज्ञान की अभिवृद्धि हेतु विशेष प्रयास किये जाते हैं। जिसके लिए महाविद्यालय मे अलग से कम्प्यूटर लैब संचालित है। पाठ्यक्रम निर्धारण मे महाविद्यालय प्राध्यापकों का महत्वपूर्ण योगदान एवं भूमिका रहती है। महाविद्यालय में विशाल खेल मैदान तथा इण्डोर स्पोर्ट्स स्टेडियम विद्यमान है तथा पुस्तकालय एवं वाचनालय का पृथक् भवन एवं पर्याप्त संख्या मे पुस्तकें हैं।

वर्तमान में महाविद्यालय द्वारा त्रिवर्षीय शास्त्री पाठ्क्रम में तीन संस्कृत विषयों एवं तीन आधुनिक विषयों का अध्ययन – अध्यापन करवाया जाता है ।

Table- 1.2

फैकल्टी	विषय

शास्त्री (बी.ए.)	1.साहित्य 2. नव्य –व्याकरण 3. शुक्ल यजुर्वेद 4. हिन्दी 5. अंग्रेजी 6.राज. विज्ञान

1.1. Curiculum Planning and Implementation

पाठ्यक्रम योजना एवं क्रियान्वयन

पाठ्यक्रम के सफल क्रियान्वयन एवं विषयों के सुचारू/अनवरत अध्ययन–अध्यापन हेतु महाविद्यालय द्वारा विषयवार कालांशों का निर्धारण कर समुचित समय सारिणी बनायी जाती है। जिससे कक्षा–कक्षों मे विद्यार्थियों की उपस्थिति नियमित हो सकें। प्रवेश नीति का निर्धारण निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान द्वारा किया जाता है। जिसके अनुसार विद्यार्थियों को विषय चयन की स्वतंत्रता प्रदान की जाती है।

Table- 1.3 स्नात्तक स्तर (शास्त्री) पर विषयों का संयोजन

क्र.सं.	वर्ग– 1	वर्ग–2	वर्ग– 3
1.	संस्कृत वाड्.मय ,, ,,	साहित्य ,, ,,	हिन्दी साहित्य अंग्रेजी साहित्य राजनीति विज्ञान
2.	संस्कृत वाड्.मय ,, ,,	व्याकरण ,, ,,	हिन्दी साहित्य अंग्रेजी साहित्य राजनीति विज्ञान
3.	संस्कृत वाड्.मय	शुक्ल यजुर्वेद	हिन्दी साहित्य अंग्रेजी साहित्य राजनीति विज्ञान

पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निम्नानुसार पाठयोजना बनायी जाती है–

- कक्षावार समय विभाग चक्र का निर्धारण कर सुनिश्चित व्याख्यान ।
- सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, पर्यावरण–अध्ययन एवं प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग जैसे अनिवार्य विषयों के अध्ययन–अध्यापन के लिए विशेष कार्य योजना।
- कम्प्यूटर अनुप्रयोग के लिए प्रायोगिक सत्र का निर्धारण।
- विषय विशेषज्ञों द्वारा समयानुसार व्याख्यान ।
- संस्कृत सम्भाषण शिविर एवं अन्य साहित्यिक सांस्कृतिक क्रीडादि से सम्बद्ध
- संगोष्ठियों, प्रतियोगिताओं एवं कार्यशालाओं का आयोजन ।

1.2 Academic Flexibility

अकादमिक लोचशीलता –

महाविद्यालय में संचालित त्रिवर्षीय शास्त्री पाठ्यक्रम के प्रवेश हेतु वांछित योग्यता वरिष्ठ–उपाध्याय (10+2) है। लेकिन सीनियर सैकण्डरी (10+2) संस्कृत विषय सहित उत्तीर्ण छात्रों को भी शास्त्री कक्षा मे प्रवेश लेने की लोचशीलता प्रदान की गई है।

1.3 Curriculum Enrichment

पाठ्यक्रम परिशोधन –

महाविद्यालय को जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर से सम्बद्धता प्राप्त होने के कारण पाठ्यक्रम का परिशोधन एवं निर्धारण करने की स्वतन्त्रता नही हैं तथापि विश्वविद्यालय की अकादमिक समितियों मे महाविद्यालय के प्राध्यापक आवश्यकता अनुसार एवं आधुनिक परिप्रेक्ष्य मे विषय की महत्ता को देखकर पाठ्यक्रम मे परिशोधन करवाते हैं।

1.4 Feed back System

फीडबेक व्यवस्था –

महाविद्यालय के सर्वांगीण विकास एवं उन्नयन हेतु महाविद्यालय विकास समिति गठित है। इस समिति के अध्यक्ष संस्था प्राचार्य हैं एवं सदस्यों के रूप में स्थानीय सांसद, विधायक, जनप्रतिनिधि , अभिभावक, छात्रसंघ अध्यक्ष एवं सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता विधार्थी सम्मिलित हैं।

यह समिति सदस्यों से फीडबेक प्राप्त कर संस्था प्रधान को अवगत कराती है ओर वे इसे प्राध्यापकों तक पहुॅचाते हैं। महाविद्यालय के शिक्षक इस फीडबेक के आधार पर पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाने मे अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

CRITERION II

TEACHING LEARNING AND EVALUATION

परिचय –

सन् 1972 ई. में स्थापित यह महाविद्यालय संस्कृत भाषा एवं संस्कृत वाड्.मय के अध्ययन – अध्यापन का अद्वितीय केन्द्र रहा है। वर्तमान में भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत के संरक्षण तथा संवर्धन हेतु यजुर्वेद साहित्य शास्त्र एवं व्याकरण शास्त्र जैसे शास्त्रीय विषयों का अध्ययन – अध्यापन करवाया जाता है । प्राचीन एवं आधुनिकता का समन्वय करते हुए छात्रों को आधुनिक शिक्षा की ओर अग्रसर करते हुये अंग्रेजी , हिन्दी, पर्यावरण, राजनीतिक विज्ञान एवं कम्प्यूटर शिक्षा का भी अध्यापन करवाया जाता है। महाविद्यालय के प्राध्यापक विद्यार्थियों के मानसिक एवं बौद्धिक स्तर के अनुसार शिक्षण पद्धतियों का प्रायोगिक विधि से प्रयोग करते हुये अध्यापन कार्य करते हैं जिससे छात्र रूचिपूर्वक अध्ययन कर सके। यहॉ के निष्णात स्नातक विविध क्षेत्रों में सम्पूर्ण भारतवर्ष मे प्रतिष्ठित पदों पर रहते हुये अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका का निवर्हन करते है।

महाविद्यालय की विद्धत्सरणि एक नजर में ।

प्राचार्य – परम्परा

क्र.सं.	नाम प्राचार्य	समयावधि
1.	श्री मदन लाल डोलिया	15.08.1970
2.	श्री नृसिंह प्रसाद मिश्र	15.08.1970 से 01.12.1972
3.	श्री श्रीनारायण त्रिपाठी	01.12.1972 से 27.09.1975
4.	श्री प्यारे मोहन शर्मा	27.09.1975 से 11.02.1981
5.	श्री नरोत्तम चतुर्वेदी	28.07.1981 से 10.05.1986
6.	श्री श्याम सुन्दर चुलेट	10.05.1986 से 21.12.1992
7.	श्री अशोक कुमार योगी	21.02.1995 से 24.08.2001

8.	श्री ओंकार गुप्ता	08.10.2001 से 24.10.2002
9.	डॉ0 भास्कर शर्मा	24.10.2002 से 02.10.2004
10.	डॉ0 सीताराम दोतोलिया	02.10.2004 से निरन्तर

Student Enrolment and Profile

2.1 छात्र नामांकन एवं स्वरूप

महाविद्यालय में प्रवेश – प्रक्रिया राज्य सरकार के नियम एवं निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान के निर्देशों के अनुरूप की जाती है। प्रवेश प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु प्राचार्य द्वारा प्रवेश समिति का गठन किया जाता है। प्रवेश समिति प्रवेश सम्बन्धी नियमों का दृढ़ता से पालन करते हुये प्रवेश प्रक्रिया सम्पन्न करवाती है। इस प्रक्रिया के तहत आवेदन पत्र ऑफ लाईन भरवाये जाते हैं, और मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। निदेशालय, संस्कृत शिक्षा द्वारा प्रत्येक सत्र में प्रवेश प्रक्रिया एवं अन्य विविध गतिविधियों के सफल संचालनार्थ शैक्षिक कलेण्डर उपलब्ध करवाया जाता है, जिसके अनुरूप महाविद्यालय द्वारा समस्त गतिविधियों का सफलतापूर्वक निष्पादन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप सभी वर्गों के छात्र छात्राओं को प्रवेश दिया जाता है।

वर्तमान सत्र में विद्यार्थियों के नामांकन की स्थिति

विद्यार्थियो का प्रकार	यू.जी	पी.जी.	एम.फिल	पी.एच.डी	योग
राजस्थान राज्य के विद्यार्थियों की संख्या	150	**Nil**	**Nil**	**Nil**	150
अन्य राज्यों के विद्यार्थियों की संख्या	**Nil**	**Nil**	**Nil**	**Nil**	**Nil**
एन.आर.आई	**Nil**	**Nil**	**Nil**	**Nil**	**Nil**
विदेशी विद्यार्थी	**Nil**	**Nil**	**Nil**	**Nil**	**Nil**
कुल योग	150	**Nil**	**Nil**	**Nil**	150

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

16.

राजकीय गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा (जयपुर)

''छात्र संख्या'' **माह – अगस्त – 2015**

कक्षा																					
	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग	छात्र	छात्रा	योग

शास्त्री प्रथम वर्ष	03	01	04	–	03	03	–	–	–	12	26	38	–	–	–	9	01	10	24	31	55
शास्त्री द्वितीय वर्ष	04	01	05	01	02	03	–	–	–	09	13	22	–	–	–	04	02	06	18	18	36
शास्त्री तृतीय वर्ष	04	12	16	–	01	01	–	–	–	08	22	30	–	–	–	09	03	12	21	38	59
महायोग	11	14	25	01	06	07	–	–	–	29	61	90	–	–	–	22	06	28	63	87	150

Catering to Student Diversity

2.2 छात्र विविधता –

महाविद्यालय में सभी वर्गो के विद्यार्थियों द्वारा अध्ययन किया जाता है। अतः महाविद्यालय में प्रवेश राज्य सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति के अनुसार दिया जाता है, तथा प्रवेश शुल्क का निर्धारण भी इस तरह से किया गया है ताकि समाज के कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को अधिकाधिक संख्या में शिक्षित किया जा सके। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए ट्यूशन फीस नहीं ली जाती है। कमजोर एवं आरक्षित वर्ग के छात्रों के लिए समाज कल्याण विभाग, मुख्यमन्त्री छात्रवृत्ति योजना, अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति एवं अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। साथ ही राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा परीक्षा में सर्वोच्च अंक लाने वाले विद्यार्थियों के लिए भी छात्रवृत्ति, योजना निर्धारित है। यू.जी. सी. द्वारा स्टाई फण्ड योजना में भी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

Teaching Learning Process

2.3 अध्ययन – अध्यापन प्रक्रिया

म्हाविद्यालय की समय सारिणी अध्ययन – अध्यापन प्रक्रिया को सुनियोजित तरीके से संचालित करती है। प्रत्येक प्राध्यापक को समय सारिणी उपलब्ध करवायी जाती है और विद्यार्थियों के लिए सूचनापट्ट

पर उसका प्रदर्शन किया जाता है। कक्षा में शिक्षण कार्य को छात्र केन्द्रित और प्रभावी बनाने के लिए निम्नांकित प्रक्रियाएँ अपनाई जाती हैं –

1. कक्षा में आदर्श शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना ।
2. नवीन शिक्षण पद्धतियों द्वारा शिक्षण व्यवस्था ।
3. रूचि जागृत करने हेतु समुचित पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाना ।

4. आधुनिक युगीन उच्च शिक्षा प्रदान करना ।

5. कक्षा में समूह चर्चा द्वारा ज्ञान का आदान–प्रदान ।

6. नेट के द्वारा विषय सम्बन्धी पाठ्य सामग्री की नवीनतम जानकारी प्रदान की जाती है

महाविद्यालय में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ – साथ विद्यार्थियों के, वैयक्तिक, मनोवैज्ञानिक एवं मानसिक विकास हेतु एन.एस.एस. (N.S.S.) सांस्कृतिक कार्यक्रम, संस्कृत सम्भाषण शिविर, क्रीडा प्रतियोगिता इत्यादि विविध सह शैक्षणिक गतिविधियों में छात्रों की सहभागिता को प्रोत्साहित किया जाता है। इस महाविद्यालय में एन.एस.एस.की गतिविधि 2008 में छात्र न्यूवता के कारण बन्द कर दी गई थी उसको पुनः प्रारम्भ करने हेतु यह संस्था प्रयासरत है।

Teacher Quality

2.4 शिक्षक गुणवता :–

महाविद्यालय में सभी प्राध्यापक शैक्षणिक रूप से सुयोग्य एवं कर्मठ हैं। जिन का चयन राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से किया जाता है। महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापकों का विवरण इस प्रकार है।

क्र.सं.	प्राध्यापक	पद / विषय	शैक्षणिक योग्यता
1.	डॉ0 सीताराम दोतोलिया	प्राचार्य–संस्कृत वाड्.मय	आचार्य, पीएच, डी. बी. एड. एम.ए. हिन्दी,संस्कृत
2.	श्री जानकीवल्लभ शर्मा	व्याख्याता–साहित्य	आचार्य,एम.ए. संस्कृत, शिक्षा शास्त्री
3.	डॉ0 शम्भुनाथ मिश्र	व्याख्याता–यजुर्वेद	आचार्य, पी.एच.डी.
4.	श्री सुरेश चन्द शर्मा	व्याख्याता– हिन्दी	एम.ए.हिन्दी,अंग्रेजी,धर्मशास्त्राचार्य एम.एड. बी.सी.जे.एम.
5.	श्री बृजबिहारी लाल पुरोहित	व्याख्याता–राज.विज्ञान	लोकप्रकाशन ,एम.ए.राज.विज्ञान एल.एल.बी.
6.	श्री बृजेश कुमार शर्मा	पुस्तकालयाध्यक्ष	एम.ए. योगविज्ञान, एम.फिल पुस्तकालय विज्ञान
7.	डॉ0 प्रेम सिंह मीणा	शारीरिक शिक्षक	एम.ए. शारीरिक शिक्षा , पी.एच.डी.

अशैक्षणिक स्टॉफ :–

क्र.सं.	नाम	पद
1.	**श्री सरफराज अहमद खॉ**	**सहायक कार्यालय अधीक्षक**

2.	श्री ब्रहम देव यादव	लिपिक ग्रेड –।
3.	श्री हरि गोपाल शर्मा	सहायक कर्मचारी
4.	श्रीमती शान्ति देवी कुमावत	सहायक कर्मचारी

2.5 Evaluation Process and Reforms

मूल्यांकन एवं सुधार प्रक्रिया

विद्यार्थियों का मूल्यांकन जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित शास्त्री परीक्षा के माध्यम से किया जाता है, जिसके तहत परीक्षा आवेदन–पत्र, प्रश्न–पत्र निर्माण परीक्षा आयोजन की समस्त प्रक्रिया, उत्तर पुस्तिकाओं का केन्द्रीय मूल्यांकन, परिणाम तैयार करवाना एवं अंकतालिका निर्माण एवं प्रेषण रूपी समस्त कार्यो की रूपरेखा विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की जाती है, जिसके सफलतापूर्वक निष्पादन में महाविद्यालय के शिक्षक अपनी सम्पूर्ण सहभागिता एवं उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हैं। इसके अलावा महाविद्यालय स्वयं के स्तर पर भी प्रथम, द्वितीय व तृतीय कक्षा टेस्ट के माध्यम से विद्यार्थियों का मूल्यांकन करता रहता है। प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग एवं पर्यावरण अध्यापन जैसे विषयों में भी प्रायोगिक परीक्षा का आयोजन एवं मूल्यांकन महाविद्यालय स्तर पर किया जाता है तथा अंक विश्वविद्यालय को भेजे जाते हैं। विषयाधारित वाद–विवाद प्रतियोगिताओं एवं प्रश्नमंच द्वारा छात्रों के बौद्धिक स्तर का मूल्यांकन किया जाता है। पाठ्यक्रम सुधार एवं मूल्यांकन सुधार हेतु समय–समय पर सुझाव प्राप्त कर विश्वविद्यालय को भेजे जाते हैं। मूल्यांकन के उपरान्त प्राप्त परिणाम के आधार पर छात्रों की उपलब्धियों के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की जाती हैं एवं अगले शैक्षणिक सत्र में सुधार हेतु आवश्यक प्रयास किये जाते हैं। संस्कृत सम्भाषण शिविर के द्वारा भी छात्रों के संस्कृत भाषा में मौखिक अभिव्यक्ति का मूल्यांकन कर सुधार के प्रयास किये जाते हैं।

CRITERION 3

INFRASTRUCTURE AND LEARNING RESOURCES

यह महाविद्यालय जयपुर शहर से मात्र 40 किलोमीटर की दूरी पर रेनवाल रोड पर प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर कालाडेरा नामक ग्राम में स्थित है। ग्राम में प्रवेश करते ही बस स्टेण्ड पर सर्वप्रथम महाविद्यालय भवन एवं इण्डोर स्पोर्ट्स स्टेडियम अपने सुन्दर स्वरूप में नजर आता है।उपलब्ध बजट के अनुसार महाविद्यालय में संसाधनों का विस्तार आवश्यकता एवं योजनानुसार किया गया है। प्रशासनिक कक्ष एवं अध्ययन कक्षों के मध्य में खाली मैदान है जो महाविद्यालय के सौन्दर्य की अभिवृद्धि करता है। अद्यावधि महाविद्यालय विकास कार्य के लिए स्थानीय विद्यायक तथा जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सराहनीय रही है, जिनमें कक्षा–कक्षों का निर्माण एवं फर्नीचर व्यवस्था, सेमिनार हॉल, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था इत्यादि अनेक सुविधाएँ सम्मिलित है। यू.जी.सी. तथा राज्य सरकार से प्राप्त वित्तीय सहायता का उपयोग महाविद्यालय के नवीनीकरण एवं सुविधाओं के रख–रखाव के लिए किया जाता है।

3.1 Physical Facilities

भौतिक सुविधाएँः–

महाविद्यालय परिसर का क्षेत्रफल 2.41 एकड़ भूमि है, जिसमें निर्मित क्षेत्र 646.65 वर्ग मीटर है। यह संस्था अपने स्वयं के भवन में संचालित है। महाविद्यालय भवन में कुल 19 कक्ष हैं, जिनमें कक्षा–कक्षों के साथ, प्राचार्य कक्ष, पुस्तकालय, स्टॉफ रूम, परीक्षा कक्ष, छात्र परामर्श कक्ष, IQAC कक्ष, छात्रसंघ कार्यालय, एन.एस.एस., कक्ष खेल प्रकोष्ठ, कम्प्यूटर प्रायोगिक कक्ष, संस्थापन कक्ष एवं स्टोर कक्ष भी सम्मिलित है। छात्र एवं छात्राओं की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए अलग से पार्किंग सुविधा उपलब्ध है।

महाविद्यालय में भौतिक सुविधाएँ

क्र.सं.	सुविधा	संख्या
1.	कक्षा कक्ष	09
2.	सेमिनार कक्ष	01
3.	पुस्तकालय एवं वाचनालय	01
4.	प्राचार्य कक्ष	01

5.	स्टॉफ कक्ष	01
6.	खेल प्रकोष्ठ	01

7.	छात्रसंघ कार्यालय	01
8.	एन.एस.एस.	01
9.	कम्प्यूटर प्रायोगिक कक्ष	01
10.	परीक्षा कक्ष	01
11.	स्टोर रूम	01
12.	कार्यालय	01
13.	छात्र परामर्श केन्द्र एवं IQAC कक्ष	01

3.2 Library as a Learning Resource

पुस्तकालयः–

पुस्तकालय किसी भी संस्था का हृदय होता है। अतः पुस्तकालय को हर पल अपडेट रखना अत्यावश्यक है। महाविद्यालय पुस्तकालय को भी उसी प्रकार स्वच्छ और शान्त वातावरण उपलब्ध कराया गया है। वाचनालय कक्ष पुस्तकालय कक्ष में ही अलग से बनाया गया है ताकि छात्रों एवं शिक्षकों को शान्त वातावरण उपलब्ध हो सके। इस पुस्तकालय में चारों वेद, वेदांग, संस्कृत वाड्.मय का प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य, दर्शन शास्त्र, साहित्य शास्त्र, व्याकरण शास्त्र तथा धर्मशास्त्र आदि प्राचीन ग्रन्थों के विपुल साहित्य के साथ पुराण एवं उपनिषद् जैसे प्राचीनतम ग्रन्थ विद्यमान है। हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, योग, कम्प्यूटर शिक्षा एवं पर्यावरण शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों से सम्बन्धित पर्याप्त साहित्य विद्यमान हैं, पुस्तकालय में लगभग 8000 पुस्तकें विद्यमान हैं, जिनमें विभागानुसार विभिन्न खण्डों में विभक्त किया हुआ है। छात्रों एवं शिक्षकों के सामान्य ज्ञान की अभिवृद्धि हेतु संस्कृत भारती, स्वर मंगला, जैसी संस्कृत मास पत्रिकाओं सहित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अनेक पत्र–पत्रिकाएँ भी पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध करवायी जाती हैं। पुस्तकालय संचालन में पुस्तकों का आदान–प्रदान मेन्यूअल रूप से किया जाता है एवं समयावधि का निर्धारण किया गया है, जिसमें सभी छात्र पुस्तकों का अधिक रूप से उपयोग कर सके।

3.3 IT Infrastructure

आई.टी (I.T.) संसाधन :–

इन्टरनेट कनेक्शन की सुविधा से युक्त कम्प्यूटर लेब है जिसका उपयोग महाविद्यालय छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा किया जाता है।

3.4 Maintenance of Campus Facilities

(परिसर की सुविधाओं का रख–रखाव :–)

महाविद्यालय परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के नवीनीकरण एवं रख रखाव के लिए राज्य सरकार एवं यू.जी.सी. द्वारा प्रदत्त राशि का समुचित उपयोग किया जाता है। संस्था प्राचार्य द्वारा स्वच्छता समिति का गठन किया गया है। जिसके निर्देशन में महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ रखने तथा उसके नवीनीकरण एवं रख रखाव का कार्य किया जाता है । अनुबन्ध पर जमादार की व्यवस्था भी की गई है जो परिसर को इस प्रकार से स्वच्छ रखने में अपनी सहभागिता प्रदान करती है ।

CRITERION 4

STUDENT SUPPORT AND PROGRESSION

विद्यार्थियों के शैक्षणिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास के साथ–साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए महाविद्यालय द्वारा विविध प्रकार से सहयोग एवं सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के छात्रो के लिए महाविद्यालय द्वारा विशेष प्रयास किये जाते है तथा इनकी शैक्षिक प्रवृत्ति में सहभागिता बनी रहें इसके लिए भी महाविद्यालय द्वारा उपर्युक्त संसाधन एवं सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाती है। महाविद्यालय में छात्रों के शैक्षिक उन्नयन हेतु निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध हैं:–

- सूचना सहायोग – महाविद्यालय की वेबसाईट , सूचना पट्ट कक्षा अध्यापन ।
- भौतिक सुविधाएँ – अध्यापन हेतु स्वच्छ एवं व्यवस्थित कक्षा कक्ष , कम्प्यूटर प्रायोगिक लेब, पुस्तकलाय एवं वाचनालय, क्रीड़ा मैदान , इन्टरनेट, छात्रसंघ कार्यालय इत्यादि सुविधाएँ।
- वित्तीय सहायकता –विविध छात्रवृत्तियाँ, न्यूनतम प्रवेश शुल्क एवं छात्राओं के लिए शिक्षण शुल्क से मुक्ति।
- परामर्श सुविधा – कैरियर काउंसलिंग सेल, एंटी रेगिंग सेल, महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ गरिमा हेल्पलाईन, एन.एस.एस. ।
- सहशैक्षणिक गतिविधियॉ – संस्कृत सप्ताह समारोह, युवा सप्ताह, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संस्कृत सम्भाषण शिविर, योग दिवस, क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ, कार्यशाला संगोष्ठी, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रिय परिप्रेक्ष्य में ।

4.1 Student Ment0ring **and Support**

(विद्यार्थियों को दिशानिर्देश एवं सहयोगः–)

विद्यार्थियों को दिशा निर्देशित करने का सबसे अच्छा माध्यम महाविद्यालय की वेबसाईट है, जिस पर प्रवेश सम्बन्धी पात्रता एवं नियम, विषय संयोजन, शुल्क, छात्रवृति (SCHOLRASHIP) सम्बन्धी सूचना, महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं मन्त्रालयिक कर्मचारियों का विवरण एवं गठित कमेटियों की सूचना आदि का विवरण उपलब्ध होता है। महाविद्यालय द्वारा एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी., इत्यादि वर्ग के लिए नियमानुसार छात्रवृत्ति एवं अन्य वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। निदेशालय संस्कृत शिक्षा राजस्थान के द्वारा परम्परागत संस्कृत छात्रों के लिए स्वीकृत छात्रवृत्ति योजना में छात्रों को प्रतिवर्ष लाभान्वित करवाया जाता है तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष निम्नांकित छात्रवृत्तियों से नियमानुसार लाभान्वित कराया जा रहा है ।

(1) समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रदत्त एस.सी., एस.टी, विद्यार्थियों को नियमानुसार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति ।

(2) अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना ।

(3) सवर्णो के लिए प्रदत्त मुख्यमन्त्री छात्रवृत्ति योजना ।

(4) राज्य स्तरीय छात्रवृत्ति ।

(5) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति ।

(6) एस.बी.सी. के लिए दी जाने वाली स्कूटी योजना।

(7) संस्कृत निदेशालय, राजस्थान द्वारा परम्परागत छात्रवृत्ति (सभी वर्ग के छात्र–छात्राओं के लिए)

(8) सरकारी विद्यालय से नियमित छात्रा के रूप में वरिष्ठ उपाध्याय/सीनियर सैकण्डरी परीक्षा में 75% से अधिक अंक प्राप्त करने पर राज्य सरकार द्वारा स्कूटी योजना।

महाविद्यालय में शुल्क संरचना

क.सं.	शुल्क प्रकार	सामान्य वर्ग शुल्क राशि		एस.सी./एस.टी./ ओ.बी.सी.
1.	प्रवेश शुल्क	10		10
2.	स्थानान्तरण शुल्क	5		5
3.	परिचय पत्र शुल्क	15		15
4.	छात्रसंघ शुल्क	10		10
5.	पुस्तकालय शुल्क	50		50
6.	क्रीड़ा शुल्क	50		50
7.	विकास शुल्क	100		100
8.	चरित्र प्रमाण पत्र शुल्क	10		10
9.	शिक्षण शुल्क	आयकरदाता नही	30000 तक आयकर दाता	30000 से अधिक आयकर दाता
		360	720	1200
	छात्रनिधि–शुल्क	400		200
सभी छात्राएँ तथा एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. के छात्र–छात्राएँ शिक्षण शुल्क से मुक्त ।				

4.2 Student progression (छात्र प्रगति)

विगत पॉच वर्षों का संस्था का परीक्षा परिणाम

सत्र	शास्त्री प्रथम वर्ष	शास्त्री द्वितीय वर्ष	शास्त्री तृतीय वर्ष
2014–15	83.78 %	96.77 %	90.76 %
2013–14	85.24 %	92.30 %	85.50 %
2012–13	86.42 %	94.44 %	93.18 %
2011–12	94.89 %	100.00%	97.22 %
2010–11	94.11 %	97.36 %	94.00 %

4.3 Student Particepation and Activites

विद्यार्थी सहभागिता एवं गतिविधियॉः–

किसी भी शैक्षिणिक संस्था के कुशलतापूर्वक एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन के लिए वहॉ अध्ययनरत विद्यार्थियों की सहभागिता अत्यावश्यक है। अतः इसके लिए महाविद्यालय परिवार सदैव तत्पर है।

1.महाविद्यालय के छात्र राज्य/राष्ट्रिय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसेः–श्लोक पाठ प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिताओं के साथ विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी उपस्थिति एवं सहभागिता दर्ज कराते है और पुरस्कार प्राप्त करते हैं।

2.महाविद्यालय के छात्र राज्य/राष्ट्रिय स्तर पर आयोजित क्रिकेट, बॉलीबाल, फुटबाल, कबड्डी, बेडमिन्टन एवं एथलेटिक्स आदि प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेते हैं और पुरस्कार प्राप्त करते हैं।

3.महाविद्यालय में प्रतिवर्ष लिंगदोह कमेटी के निर्देशानुसार छात्रसंघ कार्यकारिणी का गठन किया जाता है जो छात्रों की समस्याओं एवं उनके समाधान हेतु सदैव तत्पर रहती है। छात्रसंघ कार्यकारिणी द्वारा प्रतिवर्ष छात्रों के लिए विभिन्न साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजन किये जाते हैं।

4.संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत प्रतिवर्ष विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाओं जैसे–वाद विवाद, श्लोकपाठ, अन्त्याक्षरी, निबन्ध लेखन प्रश्नमंच इत्यादि का आयोजन किया जाता है।

5.महाविद्यालय में गठित एन. एस. एस. इकाई द्वारा वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, रक्तदान, पल्स पोलियो राष्ट्रीय अभियान में सहभागिता एवं सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध अनेक कार्यक्रम आयोजन किया जाता रहा है।

4. स्वच्छ भारत अभियान–हमारी भूमिका–

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्था परिसर एवं इसके समीप साफ–सफाई रखने के लिए संस्था में गठित स्वच्छता प्रकोष्ठ के माध्यम से शिविर लगाकर स्वच्छता कार्य करवाया जा रहा है। अग्रिम योजनान्तर्गत शिविर के माध्यम से पाक्षिक सफाई अभियान में ग्राम के एक–एक भाग को स्वच्छ बनाने की योजना है। इसी क्रम में माननीय प्रधानमंत्री द्वारा चलाई गई **''स्वच्छ भारत अभियान''** योजना के तहत **''स्वच्छ महाविद्यालय–स्वस्थ महाविद्यालय''** इस ध्येय के साथ महाविद्यालय द्वारा डॉ0 शम्भुनाथ मिश्र व्याख्याता के नेतृत्व में समिति का गठन किया गया है, जो समय–समय पर महाविद्यालय एवं उसके आस–पास के परिसर को स्वच्छ रखने में अपना पूर्ण योगदान दे रही है ।

5. रक्तदान कार्यक्रम – जनचेतना में हमारा योगदान –

रक्तदान कार्यक्रम के अन्तर्गत जनचेतना के माध्यम से पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती के उपलक्ष्य में दिनांक 25.09.2015 को रक्तदान शिविर का आयोजन पी.जी. कॉलेज, कालाडेरा में आयोजित किया गया, जिसके लिए छात्र/छात्राओं को सहयोग प्रदान कराने हेतु प्रेरित कर महाविद्यालय के 7 छात्र – छात्राओं ने रक्तदान किया। कियान्वयन हेतु समिति का गठन किया गया है। रक्तदान समिति प्रभारी श्री सुरेश चन्द शर्मा व्याख्याता एवं डॉ0 प्रेम सिंह मीणा सदस्य नियुक्त किये गये हैं।

6. वृक्षारोपण–एक अभियान–

वृक्षारोपण अभियान के तहत संस्था में कार्यरत डॉ0 शम्भुनाथ मिश्र व्याख्याता के नेतृत्व में छात्र/छात्राओं द्वारा संस्था परिसर एवं खेल मैदान में वृक्ष लगाये गए हैं। इसके रख रखाव हेतु छात्रों का दल गठित करके दायित्व प्रदान किया गया है। समय–समय पर शिविरों के माध्यम से वृक्षारोपण एवं पर्यावरण के महत्व को समझाते हुए अपने–अपने गॉवों में भी वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया जा रहा है ।

7. सद्वाक्य लेखन–हमारी पहल –

सद्वाक्य लेखन के अन्तर्गत संस्था परिसर, पुस्तकालय कक्ष एवं कक्षा कक्षों में उपनिषदों, धार्मिक ग्रन्थों , एवं ऐतिहासिक ग्रन्थों से सूक्तियों एवं सद्वाक्यों का चयन कर लेखनकार्य करवाया गया है।

8. बुक बैंक–स्वाध्याय की प्रेरणा–

संस्था में नियमित अध्ययन कर चुके एवं उच्च कक्षा में क्रमोन्नत छात्र/छात्राओं को अपनी पुस्तके संस्था के बुक बैंक में जमा करवाने के लिए प्रेरित किया गया है। इस हेतु संस्था के पुस्तकालय से पृथक बुक बैंक की व्यवस्था की गई है। इन पुस्तकों का उपयोग शास्त्री प्रथम,द्वितीय व तृतीय वर्ष के निर्धन छात्र/छात्राओं के अध्ययनार्थ किया जायेगा। इसके लिए प्राचार्य की अध्यक्षता में एक समिति का गठन कर श्री बृजेश कुमार शर्मा पुस्तकालयाध्यक्ष को प्रभारी नियुक्त किया गया है तथा प्रत्येक कक्षा से एक छात्र नियुक्त कर सदस्य बनाया गया है ।

9. प्रार्थना सभा में नैतिक शिक्षा–आचरण व दायित्व बोध–

सम्प्रति संस्कृत महाविद्यालयों में प्रातः कालीन दैनिक प्रार्थना की व्यवस्था नहीं है। एतदर्थ समय–समय पर विभिन्न संगोष्ठियों के माध्यम से नैतिक शिक्षा एवं सद् आचरण को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है जिससे छात्रों में सदाचरण , गुरूजनों के प्रति सम्मान एवं वरिष्ठों के साथ सद्व्यवहार करने की अभिरूचि पैदा हो सके।

10. तम्बाकू मुक्त शिक्षा–सदाचरण प्रेरणा–

इस अभियान के तहत संस्था परिसर को तम्बाकू एवं धूम्रपान से मुक्त रखने हेतु विशेष प्रयास किया गया है। संस्था में कार्यरत कोई भी कार्मिक तम्बाकू एवं धूम्रपान आदि का सेवन नहीं करते हैं। संस्था में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को भी इससे मुक्त रखने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके सेवन से होने वाले दुष्परिणाम के विषय में भी छात्र/छात्राओं को अवगत कराते हुये सावचेत करवाया जाता है। इसके साथ ही छात्र/छात्राओं को अपने परिवार के सदस्यों को भी सेवन से दूर रहने हेतु प्रेरित करते हुए संकल्प दिलवाया जाता है। साथ ही राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में धूम्रपान में **''धूम्रपान निषेध'' एवं ''तम्बाकू मुक्त महाविद्यालय''** के बोर्ड बनवाकर मुख्य द्वार पर लगवा दिये गये है।

11. संस्थाओं का सुदृढीकरण–सजगता –

संस्था में कक्षा–कक्ष पर्याप्त हैं, जिनमें छात्र/छात्राओं को बैठाकर अध्ययन करने के लिए पर्याप्त सौविध्य है। संस्था परिसर में छात्र/छात्राओं हेतु पृथक्–पृथक् शौचालय की व्यवस्था है। छात्र/छात्राओं के लिए स्वच्छ पानी पीने हेतु टंकी की व्यवस्था की गई है। समय–समय पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से दान–दाताओं को भी संस्था के विकास में सहयोग प्रदान करने के लिए प्रेरित किया जाता है ।

उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त इस संस्था में यू.जी.सी. से प्राप्त आर्थिक अनुदान से कम्प्यूटर लेब का निर्माण करवाकर छात्र/छात्राओं को कम्प्यूटर शिक्षा का एवं अन्य विषयों का भी आधुनिक तकनीकी संसाधनों द्वारा ज्ञान प्रदान किया जा रहा है, साथ ही महाविद्यालय में निम्नलिखित समितियाँ भी संचालित हैंः–

4.4 COMMITTEES

1. ADMISSION

1.	Sh. SURESH CHAND SHARMA	CO-ORDINATOR
2.	Sh. BRIJBIHARI PUROHIT	IN-CHARGE

3.	Dr. SHAMBUNATH MISHRA	MEMBER

2. ANTI RAGGING Cell

1.	Dr. PREM SINGH MEENA	HEAD
2.	Dr. SHAMBHUNATH MISHRA	IN-CHARGE
3.	Sh. BRIJBIHARI PUROHIT	MEMBER

3. WOMEN SAFETY AND SECURITY

1.	Dr. SHAMBHUNATH MISHRA	HEAD
2.	Sh. JANKIVALLABHA SHARMA	MEMBER
3.	Dr. PREM SINGH MEENA	MEMBER

4. STUDENT DISCIPLINE AND WELFARE

1.	Sh. . JANKIVALLABHA SHARMA	PROCTOR
2.	Sh. SURESH CHAND SHARMA	IN-CHARGE

5. CAREER COUNSELING

1.	Dr. SHAMBHUNATH MISHRA	CO-ORDINATOR

6. U.G.C./IQAC

1.	Dr. SITARAM DOTOLIA	HEAD
2.	Sh. SURESH CHAND SHARMA	IN-CHARGE
3.	Sh. . JANKIVALLABHA SHARMA	MEMBER

4.	Sh. BRIJBIHARI PUROHIT	MEMBER
5.	Dr. SHAMBHUNATH MISHRA	MEMBER
6.	Sh. BRIJESH KUMAR SHARMA	MEMBER
7.	Dr. PREM SINGH MEENA	MEMBER
8	Sh. BRAHAMDEV YADAV	MEMBER

7. **EDUCATION LITERATURY AND CULTURER Cell**

1.	Sh. . JANKIVALLABHA SHARMA	HEAD
2.	Sh. SURESH CHAND SHARMA	MEMBER
3.	Sh. BRIJBIHARI PUROHIT	MEMBER
4.	Dr. SHAMBHUNATH MISHRA	MEMBER

8.**DEVELOPMENT**

1.	Dr. SITARAM DOTOLIA	PRESIDENT
2.	Sh. SURESH CHAND SHARMA	SECRETARY
3.	ANOTHER 11	MEMBERS

9.**EXAMINATION CELL**

1.	Sh. BRIJBIHARI PUROHIT	HEAD
2.	Sh. BRIJESH KUMAR SHARMA	SUB. HEAD

10. **STIPEND CELL**

1.	Sh. BRIJESH KUMAR SHARMA	HEAD
2.	Sh. BRAHAM DEV YADAV	MEMBER

11. **N.C.C./SCOUTING**

1.	Dr. PREM SINGH MEENA	HEAD

12. **BLOOD DONATION CELL**

1.	Sh. SURESH CHAND SHARMA	HEAD
2.	Dr. PREM SINGH MEENA	MEMBER

13. **BOOK BANK CELL**

1.	Sh. BRIJESH KUMAR SHARMA	HEAD
2.	LAKSHMI KUMAWAT	SHASRI I YEAR
3.	KAVITA YADAV	SHASRI II YEAR
4.	RAM KRISHNA SHARMA	SHASRI II YEAR
5.	NIDHI LAKSHKAR	SHASRI III YEAR
6.	DINESH KUMAR SHARMA	SHASRI III YEAR

14. **ENVIRONMENT CLEANNESS AND TREE PLANTATION CELL**

1.	Dr. SHAMBHUNATH MISHRA	HEAD
2.	Dr. PREM SINGH MEENA	MEMBER
3.	Sh. BRAHAM DEV YADAV	MEMBER

4.	Sh. HARI GOPAL SHARMA	MEMBER

15. **ROAD SEFTY CLUB**

1.	Dr. PREM SINGH MEENA	HEAD
2.	Sh. BRIJBIHARI PUROHIT	MEMBER

16. TOOBACCO CONTROL CELL

1.	Dr. SHAMBHUNATH MISHRA	HEAD
2.	Sh. BRIJBIHARI PUROHIT	MEMBER
3.	Sh. HARI GOPAL SHARMA	MEMBER

महाविद्यालय में जन सहयोग से कराये गये विकास कार्य–

1. श्री भगवान सहाय सैनी विधायक चौमूँ क्षेत्र द्वारा वर्ष 2011–12 में विधायक कोष से 800000/–रू. की लागत से महाविद्यालय क्रीडा मैदान की चार दीवारी का निर्माण कार्य करवाया गया।
2. स्थानीय सेठ श्री बिरदी चन्द जी गोयल द्वारा सत्र 2014–15 में सीमेन्ट की 4 बेंचों को संस्था को प्रदान किया गया।
3. ग्राम कालाडेरा में फैक्ट्री एरिया में स्थित कोका कोला कम्पनी द्वारा संस्था को 16 फंखे प्रदान किये गये। इसके अतिरिक्त पानी की टंकियॉ एवं पानी की पाईप लाईन बिछाने का कार्य करवाया गया।

4. प्रधान पंचयात समिति गोविन्दगढ द्वारा सत्र 2003 में 200000रू. की लागत से छात्र/छत्राओं द्वारा पृथक् पृथक मूत्रालय एवं शौचालय का निर्माण कार्य करवाया गया।
5. सरपंच ग्राम पंचायत कालाडेरा द्वारा सत्र 2003 मे 10,000रू. (दस हजार) से संस्था में पानी की टंकी का निर्माण कार्य करवाया गया।
6. श्री रामलाल शर्मा विधायक चौमूँ द्वारा संस्था के सभा कक्ष के बाहर बरामदा निर्माण के लिए 500000रू. (पॉच लाख) प्रदान किये गये।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

CRITERION 5

GOVERNANCE, LEADERSHIP AND MANAGEMENT

निदेशालय संस्कृत शिक्षा, राजस्थान के अधीन तथा जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय मदाऊ जयपुर से सम्बद्ध होने के कारण यह महाविद्यालय पूर्ण रूप से राज्य सरकार द्वारा नियन्त्रित है। अतः नीति निर्धारण एवं व्यवस्था के सम्बन्ध में महाविद्यालय को पूर्ण स्वायत्तता प्राप्त नहीं है। तथापि यह संस्था राज्य सरकार के नियमों का पूर्णतः पालन करते हुये छात्रों को गुणवतापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने एवं सामाजिक , चारित्रिक एवं आदर्श नागरिक तैयार करने हेतु सदैव तत्पर है।

5.1 Institutional vision and Leadership

संस्था का विजन और नेतृत्वः–

इस महाविद्यालय ने प्रदेश एवं समाज को अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं नेतृत्व क्षमता वाले नागरिक प्रदान किये हैं जो विभिन्न राजकीय , अर्द्धराजकीय तथा निजी संस्थाओं में विभिन्न संवर्गीय पदों पर सेवारत रहते हुए राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। वर्तमान समय की आवश्यकताओं और चुनौतियों के अनुरूप स्वयं को ढालते हुए महाविद्यालय अपने विजन और लक्ष्य की और सतत अग्रसर है।

संस्था का मुख्य लक्ष्य है समाज एवं देश के लिए आदर्श शिक्षक, श्रेष्ठ एवं नेतृत्व क्षमता वाले नागरिक एवं कर्त्तव्य परायण प्रशासक का निर्माण करना। इसी लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुये महाविद्यालय विकास कार्य–योजना बनाई गई है।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

5.2 Strategy Development and deployment

विकास हेतु कार्य योजनाः–

महाविद्यालय अपने आरम्भ से लेकर अब तक शिक्षा के अनेक क्षेत्रों में पर्याप्त प्रगति कर चुका है। तथापि विकास कार्य तो एक उत्तरोत्तर शाश्वत प्रक्रिया है। अतः इस महाविद्यालय के व्यक्तिगत दृष्टिकोण एवं शिक्षक व छात्रवर्ग की विभिन्न अभिरूचियों के परिप्रेक्ष्य में कुछ विकास मान बिन्दुओं को संकलित कर एक कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय विकास योजना का निम्न प्रकार से निर्धारण किया गया है।

(1) छात्र वृद्धि अभियान ।

(2) कक्षा–कक्षों में छात्रों की उपस्थिति नियमितता ।

(3) विषयाध्यापन के स्तर में उत्तरोत्तर सुधार ।

(4) अध्यापन कार्य का अनवरत मूल्यांकन ।

(5) पुस्तकालय एवं वाचनालय का अधिकतम उपयोग।

(6) विद्यार्थियों की शारीरिक क्षमता का विकास।

(7) छात्रों में नेतृत्व क्षमता का विकास करना ।

(8) गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना ।

(9) आधुनिक युगानुरूप उच्च शिक्षा प्रदान करना।

(10) नवीन शिक्षण पद्धतियों का कक्षाओं में अधिकाधिक रूप से प्रयोग करना।

(11) कक्षा कक्षों में आदर्श शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाना ।

(12) आत्मविश्वास अभिवृद्धि हेतु सेमिनार , कार्यशाला, प्रदर्शनी तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियो को व्यापक मंच प्रदान करना।

(13) N.S.S., स्काऊट , रेडक्रास एवं राष्ट्रीय कार्यक्रमों से छात्रों को जोडकर उनमें सामुदायिक सहभागिता की भावना का विकास करना ।

(14) भौतिक संसाधनों का विकास करना।

(15) प्रत्येक छात्र एवं शिक्षक के कार्य पर महाविद्यालय प्रशासन की व्यक्तिगत दृष्टि।

(16)इन्टरनेट एवं कम्प्यूटर के द्वारा विषयों का आधुनिक ज्ञान प्रदान करना।

उक्त सुनियोजित कार्ययोजना के अनुसार महाविद्यालय अपने विकास पथ पर अनवरत अग्रसर है। महाविद्यालय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम का अनुसरण करता है एवं परीक्षा का आयोजन भी विश्वविद्यालय के नियमों के तहत किया जाता है । इस हेतु महाविद्यालय ने निम्नानुसार कार्ययोजना तैयार की है।

प्रशासनः– महाविद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था सुदृढ़ एवं अतिसुनियोजित है। संस्था प्राचार्य द्वारा विभिन्न अनुभागों के कार्यों का विभाजन किया हुआ है। जिसके अनुसार शैक्षणिक एवं मन्त्रालयिक कर्मियों द्वारा अपने–अपने अनुभागों तथा प्रकोष्ठों का प्रशासनिक दायित्व वहन किया जाता है। विभिन्न कार्यों एवं गतिविधियों में सफल संचालनार्थ प्राचार्य द्वारा विभिन्न समितियों का गठन किया हुआ है जो कि कुशलतापूर्वक संचालित है इन समितियों द्वारा अपने–अपने उत्तरदायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया जाता है।

महाविद्यालय में एण्टी रेगिंग, आन्तरिक शिकायत एवं महिला उत्पीडन निवारण हेतु प्रकोष्ठ बने हुये हैं। प्रत्येक शैक्षणिक एवं मन्त्रालयिक कर्मियों के द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा संस्था प्राचार्य द्वारा की जाती है।

शैक्षणिकः–

महाविद्यालय में शिक्षण व्यवस्था को सुनियोजित एवं सुदृढ़ बनाने हेतु प्रतिवर्ष समिति के माध्यम से समय सारिणी तैयार कराई जाती है। जिसे प्रत्येक छात्र तक पहुॅचाने हेतु महाविद्यालय नोटिस बोर्ड पर चस्पा की जाती हैं एवं महाविद्यालय वेब साइट पर भी डाली जाती है। समस्त विभागों द्वारा इस समय सारिणी के अनुरूप ही शैक्षणिक एवं सहशैक्षणिक गतिविधियॉ सम्पादित करवाई जाती है। इसके साथ ही पुस्तकालय, कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट की सुविधा भी शिक्षकों एवं छात्रों को उपलब्ध करवाई जाती है तथा अन्य आधारभूत सुविधाएॅ भी सम्बन्धित विभागों को उपलब्ध करवाई जाती है। संस्कृत सप्ताह , युवा सप्ताह, हिन्दी पखवाडा, सांस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन इत्यादि सहशैक्षणिक गतिविधियों के समयबद्ध संचालन हेतु अलग से कार्ययोजना बनाई जाती है।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

5.3 Faculty Empowerment Strategies

संकाय सशक्तिकरण कार्य योजनाः–

म्हाविद्यालय में वर्तमान में सात संकायों का वर्गीकरण किया हुआ है।

(1) संस्कृत वाड्.मय संकाय
(2) साहित्य संकाय
(3) व्याकरण संकाय
(4) यजुर्वेद संकाय
(5) हिन्दी संकाय
(6) अंग्रेजी संकाय
(7) राजनीति विज्ञान संकाय

इन संकायों का प्रमुख कार्य शिक्षण व्यवस्था है, जिसे सुदृढ एवं सशक्त बनाने हेतु सम्बन्धित संकाय में होने वाले नवीन अनुसंधानों, परिवर्तनों एवं परिवर्धनों से स्वयं को अपडेट रखने के लिए सम्बन्धित पुस्तकों एवं तकनीकी माध्यमों को उपलब्ध करवाया जाता है, तथा उनके समुचित उपयोग से शैक्षणिक वातावरण को अधिकाधिक रूप से श्रेष्ठ बनाने का प्रयास किया जाता है । यू.जी.सी./ ए.एस.सी. द्वारा आयोजित होने

वाले ओरियन्टेशन प्रोग्राम एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भाग लेने हेतु महाविद्यालय के शिक्षक सदैव तत्पर रहते हैं। इसके साथ ही समय–समय पर विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित राष्ट्रिय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठियों, तथा कार्यशालाओं में भाग लेने हेतु शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जाता है जिससे वे वर्तमान एवं आधुनिक क्रियाकलापों के साथ अद्यतन रह सके एवं इस ज्ञानवृद्धि का लाभ छात्रों को मिलता रहे।

5.4 Financial Management and Resources

वित्तीय प्रबन्धन एवं संसाधन एकत्रीकरणः–

किसी भी संस्था के सफलतापूर्वक संचालन एवं उत्तरोत्तर विकास के लिए वित्तीय प्रबन्धन अति–आवश्यक है। इसके लिए महाविद्यालय द्वारा विकास समिति का गठन किया हुआ है, जिसमें संस्था प्रधान की अध्यक्षता में सम्बन्धित विधायक, सांसद जनप्रतिनिधि, महाविद्यालय में शिक्षक एवं छात्रसंघ कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हैं। महाविद्यालय को राज्य सरकार के साथ–साथ यू.जी. सी. से भी वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। जिसका उपयोग आधारभूत संसाधनों के विकास एवं रख–रखाव में किया जाता है।

समय समय पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्रीय विधायक एवं सांसद कोष से भी महाविद्यालय को वित्तीय सहायता प्राप्त होती रहती है, जिसका सदुपयोग विकास समिति द्वारा प्राप्त सुझावों के आधार पर किया जाता है एवं लेखा शाखा उसका पूरा रिकार्ड रखती है। निदेशालय की ऑडिट टीम द्वारा समय–समय पर ऑडिट किया जाता है।

CRITERION 6

INNOVATION AND BEST PRACTICES

विद्यार्थियों में सीखने की प्रवृत्ति, स्वस्थ प्रतिस्र्धात्मक वातावरण, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करने हेतु महाविद्यालय में अनवरत नवाचारों का प्रयोग किया जाता है ताकि छात्र उक्त गुणों के विकास के साथ–साथ आधुनिक युगीन शिक्षा एवं संसाधनों से भी अवगत हो सके।

स्वाधिकार एवं उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूकता :–

महाविद्यालय में छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मताधिकार स्वतन्त्रता का अधिकार ,शिक्षा का अधिकार, स्वाभिव्यक्ति का अधिकार इत्यादि स्वाधिकारों के प्रति जागरूक बनाने एवं अपने उत्तरदायित्वों का बोध कराने के लिए प्रेरित किया जाता है, ताकि वे अपने अधिकारों का समुचित उपयोग कर देश के विकास में अपनी भागीदारी निभा सकें।

6.1 Innovations नवाचारः– छात्रों में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए महाविद्यालय द्वारा निम्नांकित नवाचार किये जाते हैं।

(1) पाठ्यक्रमः– छात्रो में शिक्षण के प्रति रूचि बनाये रखने एवं कक्षाओं में छात्रों की अधिकाधिक उपस्थिति नियमित रखने में पाठ्यक्रम अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यद्यपि पाठ्यक्रम निर्धारण में महाविद्यालय स्वयं स्वतन्त्र नहीं है क्योंकि संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम ही महाविद्यालय में संचालित है, तथापि महाविद्यालय में विभिन्न संकायों में कार्यरत शिक्षक विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम समितियों में अपना प्रतिनिधित्व कर योगदान दे रहे हैं। पाठ्यक्रम को छात्रों की आवश्यकता के अनुसार रूचिकर एवं अद्यतन करने हेतु उसमें परिवर्तन एवं परिवर्धन कर निरन्तर अपना सहयोग प्रदान कराते हैं। छात्रों एवं अभिभावकों से प्राप्त सुझावों को विश्वविद्यालय की पाठ्यक्रम समितियों के समक्ष रखा जाता है।

(2) शैक्षणिक सामग्री :– कक्षा–कक्षों में अध्ययन अध्यापन को और अधिक रूचिकर बनाने के लिए महाविद्यालय द्वारा तकनीकी उपयोग पर अधिकाधिक जोर दिया जा रहा है । कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट जैसे तकनीकी संसाधनो द्वारा शैक्षणिक कार्य को और सुदृढ बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

(3) कौशल अभिवृद्धि कार्यक्रमः– विद्यार्थियों में शिक्षण के साथ–साथ कौशल अभिवृद्धि भी बहुत आवश्यक है जिसके लिए महाविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है । जैसे–संस्कृत सप्ताह समारोह। इस समारोह के अन्तर्गत निबन्ध प्रतियोगिता, वाद–विवाद प्रतियोगिता, श्लोकपाठ प्रतियोगिता प्रश्नमंच अन्त्याक्षरी, आशुभाषण प्रतियोगिता इत्यादि अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिससे उनमें अभिव्यक्ति की क्षमता एवं आत्मविश्वास में अभिवृद्धि हो सके। युवा सप्ताह , हिन्दी पखवाड़ा इत्यादि कार्यक्रमों द्वारा भी छात्रों को व्यापक मंच प्रदान किया जाता है। महाविद्यालय में विभिन्न क्रीडा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है। जिससे उनके शारीरिक कौशल का विकास हो सके।

(4) शैक्षणिक भ्रमण :– महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण करवाया जाता है एवं स्थानों का चयन ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में किया जाता है, जिससे मनोरंजन के साथ–साथ उनके ज्ञानाभिवृद्धि कौशल का विकास किया जा सके।

(5) पर्यावरण संरक्षण :– महाविद्यालय में प्रतिवर्ष वृक्षारोपण करवाया जाता है तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन हेतु छात्रों को प्रेरित किया जाता है। छात्रों के अलग–अलग दल गठित कर महाविद्यालय परिसर एवं क्रीड़ा मैदान में लगे हुये पौधों की समय–समय पर निराई गुडाई कराई जाती है, जिससे महाविद्यालय परिसर हरा भरा एवं सुन्दर लगे। यज्ञ तथा हवन से पर्यावरण शुद्धि होती है। इसी उद्देश्य से महाविद्यालय परिसर में यज्ञ तथा हवन आदि का आयोजन भी समय समय पर होता रहता है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति छात्रों को ओर अधिक जागरूक बनाने के लिए पर्यावरण सम्बन्धी कार्यशालाओं एवं संगोष्ठियों का भी आयोजन करवाया जाता है।

6.2 Best Practices विशिष्ट गतिविधियॉः–

संस्था प्राचार्य एवं शिक्षक वर्ग छात्रों की सहायता हेतु हर समय तैयार एवं तत्पर रहते हैं। इस क्रम में कुछ विशिष्ट गतिविधियॉ निम्नानुसार हैः–

- साहित्यिक, सांस्कृतिक , ऐतिहासिक एवं सामाजिक महत्त्व के दिवसों को उत्सव के रूप में मनाना।
- महाविद्यालय में प्राचार्य के निर्देशानुसार धूम्रपान निषेध की सख्ती से पालना करवाई जाती है। इस सम्बन्ध में नोटिस बोर्ड के माध्यम से जागरूकता एवं पालना न करने वालों पर जुर्माने का प्रावधान भी किया हुआ है।
- वैदिक आयोजनों में छात्रों को परम्परागत भारतीय परिधानों में आने हेतु प्रेरित किया जाता है।

- महाविद्यालय एवं आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता अभियान नियमित रूप से चलाया जाता है जिससे न केवल छात्र अपितु संस्था के कार्मिक भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं तथा एन.एस.एस. के माध्यम से रक्तदान शिविरों का आयोजन भी किया जाता है।
- महाविद्यालय में विद्यमान विविध विभागों द्वारा समय समय पर विशिष्ट व्याख्यान, सेमीनार आदि का आयोजन किया जाता है जिससे छात्रों की भी सक्रिय भागीदारी रहती है।
- महाविद्यालय के अनेक संकाय सदस्य विभिन्न गैर सरकारी संगठनों से जुडे हैं तथा नियमित रूप से अपनी निशुल्क सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- महाविद्यालय परिसर रेगिंग मुक्त परिसर है तथा रेगिंग की कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।
- संस्था प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के कुशल संचालन हेतु आन्तरिक समितियों का गठन किया हुआ है।
- छात्रों को साक्षरता अभियान, स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत अभियान, पल्स पोलियो अभियान, रक्तदान अभियान जैसे विभिन्न राष्ट्रिय कार्यक्रमों से जोड़कर देश के निमार्ण में भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

7 Evaluative Reports of the Deparments

7-1 Sanskrit Vangmay

संस्कृत वाङ्मय विभाग

भारतीय संस्कृति एवं भारतीय मूल्यों की संरक्षा की दृष्टि से तथा मुख्य विषयों के अध्ययन के साथ ही सभी मुख्य विषयों के विद्यार्थियों को संस्कृत वाड्.मय के विविध क्षेत्रों से परिचित करवाने के लिए संस्कृत वाड्.मय का अध्यापन करवाया जाता है। महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही अनिवार्य विषय के रूप में संस्कृत वाड्.मय के अध्यापन की व्यवस्था रही है। इसके अन्तर्गत शास्त्री स्तर पर संस्कृत के शास्त्रीय विषय यथा साहित्य, व्याकरण, यजुर्वेद ऋग्वेद, यजर्वेद, का अध्यापन करवाया जाता है। सम्प्रति डॉ0 सीताराम दोतोलिया विद्यार्थियों को संस्कृत वाड्.मय का शैक्षणिक मार्गदर्शन प्रदान कर रहे है। जिनका शैक्षणिक विवरण निम्नानुसार है।

डॉ0 सीताराम दोतोलिया
विभागाध्यक्ष एवं प्राचार्य
श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया
राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा (जयपुर)
मोबाईल–9982277300

क्र.सं.	नाम	डॉ0 सीताराम दोतोलिया
	पिता का नाम	श्री राम स्वरूप दोतोलिया
	माता का नाम	श्रीमती तीजा देवी
	स्थायी पता	मु.पो. बिलौंची, वाया मोरीजा, जिला जयपुर (राज.) 303805
	वर्तमान कार्यरत	राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा
	स्थान	कालाडेरा जयपुर (राज.)

शैक्षणिक योग्यताएँ

क्र.सं.	परीक्षा का नाम	राज.विश्वविद्यालय जयपुर	सत्र	श्रेणी	विशेष
1.	साहित्याचार्य	राज.विश्वविद्यालय जयपुर	1984	प्रथम	

2.	एम.ए. संस्कृत	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर	1992	द्वितीय	
3.	विद्या–वारिधि (पी. एच.डी.)	राज. विश्वविद्यालय जयपुर	2001		
4.	बी.एड.	राज.विश्वविद्यालय जयपुर	1985	प्रथम	

1. सह शैक्षणिक योग्यताएँ

1. ओरियन्टेशन कोर्स – राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से दिनांक 11.7.2011 से 6.8.2011 तक किया गया।
2. रिफ्रेसर कोर्स – राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से दिनांक 10.6.2013 से 29.6.2013 तक किया गया।
3. रिफ्रेसर कोर्स–राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से दिनांक 6.7.2015 से 25.7.2015 तक किया गया।
4. यू.जी.सी. द्वारा स्वीकृत ''राजस्थान दर्शनम् काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन'' विषय पर सत्र 2012 में लघुशोध प्रबन्ध लिखा गया।

2.शोध पत्र वाचन–

राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन जयपुर द्वारा दिनांक 15–16 जनवरी 2007 को ''21वीं शताब्दी और संस्कृत शिक्षा'' विषय पर आयोजित राष्ट्रिय विचार गोष्ठी में शोध पत्र वाचन किया गया।

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और राजस्थान संस्कृत साहित्य सम्मेलन जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 8–10अगस्त 2008 मे आयोजित राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी मे ''संस्कृत वाड्.मय में निहित शान्ति शिक्षा की प्रासांगिकता'' विषय पर शोध पत्र वाचन किया गया।
2. राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं संस्कृत भाषा परिषद् जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 13–14 मार्च 2010 में आयोजित राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी में ''20वीं सदी में संस्कृत पद्य साहित्य में आमेर का अवदान '' विषय पर शोध पत्र का वाचन किया गया।

3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण विद्यापीठ शाहपुरा बाग जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 28–30 अक्टूबर 2010 में आयोजित राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी में '' अस्पृश्यतायां श्री रामानन्दाचार्यस्य योगदानम्'' विषय पर शोध पत्र का वाचन किया गया।

4. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं महाराज आचार्य राजकीय संस्कृत महाविद्यालय जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 17–19 फरवरी 2011 तक आयोजित राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी में ''वेदेषु पर्यावरण संरक्षणम् '' विषय पर शोध पत्र वाचन किया गया।

5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय महापुरा जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 28–30 अप्रेल 2011 में '' सदैव पूज्या नारी'' विषय पर आयोजित राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी में शोध पत्र का वाचन किया गया।

6. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण विद्यापीठ शाहपुरा बाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 21–23 जनवरी 2012 मे ''वैश्वीकरण के युग में संस्कृत शिक्षा दर्शन की उपयोगिता '' विषय पर आयोजित राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी में पत्र वाचन किया गया।

7. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं आई सी.एस. एस. आर दिल्ली तथा एस.एस. जैन सुबोध कॉलेज जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 7–9 जनवरी 2013 में ''संस्कृत वाड्.मय में अहिंसात्मक शिक्षा के तत्व एवं वर्तमान में उनकी उपादेयता'' विषय पर आयोजित अन्ताराष्ट्रिय शोध संगोष्ठी में पत्रवाचन किया गया।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

वर्षवार अध्यापन विवरण

नाम व्याख्याताः– डॉ0 सीताराम दोतोलिया (प्राचार्य)

विषयः– संस्कृत वाड्.मय

सत्र	कक्षा	परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या	प्रतिशत
2010–11	शास्त्री । वर्ष संस्कृत वाड्.मय	67	66	99 %
2011–12	शास्त्री । वर्ष संस्कृत वाड्.मय	51	49	96 %
2012–13	शास्त्री । वर्ष	74	64	86 %
2013–14	शास्त्री । वर्ष	61	52	85.24 %
	शास्त्री ।।वर्ष	65	65	100.00 %
	शास्त्री ।।।वर्ष	89	85	95.50 %
2014–15	शास्त्री । वर्ष	37	31	83.78 %
	शास्त्री ।।वर्ष	62	60	96.77 %
	शास्त्री ।।।वर्ष	65	59	90.76 %

3.लेखन कार्य

क्र.सं.	नाम ग्रन्थ	प्रकाशन संस्था	वर्ष	विशेष
1.	श्री दत्त पूजा प्रकाशः	तपोधाम डूंगरी कला जयपुर	2007	
2.	श्री दत्त पूजा पुष्पाजंलिः	तपोधाम डूंगरी कला जयपुर	2008	
3.	काव्यलक्षणमीमांसा	राष्ट्रिय संस्कृत साहित्य केन्द्र जयपुर	2011	I S B N – 978–81–88741–47–2
4.	राजस्थानदर्शनम्	हंसा प्रकाशन जयपुर	2014	I S B N –978–93– 81954–26–3
5.	'काव्यप्रकाशः '	हंसा प्रकाशन जयपुर	2014	I S B N –978–93– 81954–26–3

4.अध्यापन कार्य

1. व्याख्याता संस्कृत वाड्.मय पद पर दिनांक 23.5.1992 से 8.7.1995 तक राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय नीमकाथाना सीकर में अध्यापन कार्य।
2. दिनांक 10.7.1995 से 24.10.2002 तक राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा जयपुर में अध्यापन कार्य
3. दिनांक 25.10.2002 से 1.10.2004 तक सम्भागीय कार्यालय संस्कृत शिक्षा अजमेर संभाग अजमेर में सम्भागीय शिक्षा अधिकारी पद पर कार्य किया गया ।
4. दिनांक 2.10.2004 से निरन्तर राजकीय शास्त्री संस्कृत कॉलेज कालाडेरा जयपुर में प्राचार्य पद पर कार्यरत ।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

7.2 Shukla Yagurveda

शुक्ल यजुर्वेद विभाग

अपरा काशी के रूप में विख्यात जयपुर मण्डलान्तर्गत जयपुर से मात्र 40 कि0मी0 की दूरी पर गोविन्दगढ़ पंचायत समिति के अन्तर्गत कालाडेरा ग्राम में संस्कृत महाविद्यालय सन् 1971 से स्थापित है। कालाडेरा प्रारम्भ से ही शिक्षा एवं आधौगिक जगत् का मुख्य केन्द्र रहा है।

वेद भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति की अमूल्य निधि है , जो आज भी वैज्ञानिक उपलब्धियों के बीच अपने ज्ञान–गौरव की अक्षुण्णता का अबाध गति से उद्घोष कर रहे हैं। वेद विश्व–साहित्य के प्राचीनतम उपलब्ध ग्रन्थ रत्न है। मानव जाति के इतिहास के ज्ञान के लिए एवं भारतीय संस्कृति को समझने के लिए वेदों का अध्ययन परमावश्यक है। कर्म, उपासना एवं ज्ञान का समन्वय ही वेद है।

''सा प्रथमा संस्कृतिर्विश्ववारा'' ''वेदोऽखिलो धर्ममूलम्'' इत्यादि आर्ष वचनों से वेदों की महत्ता स्वतः सिद्ध हो जाती है।

वेदों में कर्मकाण्ड, उपासना काण्ड एवं ज्ञानकाण्ड के विषयों का मुख्य रूप से वर्णन मिलता है। वैदिक कर्म यज्ञाश्रित है। इसलिए वेदों में यज्ञ–यागादि विविध क्रिया कलाप का विशेष रूप से वर्णन मिलता है। **शतयथ ब्राह्मण** में कहा भी गया है – **'यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म'** ।

इस महाविद्यालय में वेदाचार्यों की परम्परा अत्यन्त प्राचीन रही है। प्रारम्भ में विद्यालय विभाग से वेदाऽध्यापन की परम्परा शुरू हुई, तत्पश्चात् महाविद्यालय में प्रारम्भ की गई। प्रारम्भ में वेदाध्यापक के रूप में पं. जगदीश शर्मा, याज्ञिक आचार्य पं. श्रीराम शर्मा, डॉ0 कमल किशोर भारद्वाज एवं पं. अरूण कुमार शर्मा रहे हैं। वर्तमान में डॉ0 शम्भुनाथ मिश्र परम्परागत वेदाऽध्यापन करा रहे हैं।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

व्यक्तिगत विवरण

1. नाम– डॉ0 शम्भुनाथ मिश्र
2. पिता का नाम – पं. श्री नीरस मिश्र
3. माता का नाम – श्रीमती सुशीला देवी
4. जन्म तिथि – 25.07.1961
5. पता – म.नं.4/291 मालवीय नगर, जयपुर।

6. कार्यालयः व्याख्याता , यजुर्वेद
श्रीमती गो.दे.स.राजकीय शा. संस्कृत
महाविद्यालय, कालाडेरा, जयपुर ।

7. शैक्षणिक योग्यता समस्त उपाधियों एवं श्रेणी सहित

कक्षा	वर्ष	श्रेणी	बोर्ड/विश्व.	विशेष
पूर्व मध्यमा	1978	तृतीय	सं.सं.वि.वि.वाराणसी	–
उत्तर मध्यमा	1980	द्वितीय	सं.सं.वि.वि.वाराणसी	–
शास्त्री	1982	प्रथम	सं.सं.वि.वि.वाराणसी	–
आचार्य शुक्ल यजुर्वेद	1985	प्रथम	सं.सं.वि.वि.वाराणसी	स्वर्ण पदक

8. अध्यापन अनुभव – शास्त्री 14 वर्ष , आचार्य 12 वर्ष ।

9. अनुसन्धान कार्य

1.विद्यावारिधि (पी–एच.डी.) 2010 ज.रा.रा.सं.वि.जयपुर।
विषयः श्रीमुरारीमिश्रकृतमन्त्रभाष्यस्य सम्पादनम् ।
शोध निर्देशकः डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद मिश्र
आचार्य एवं अध्यक्ष वेद विभाग,
ज.रा.रा.सं.वि.जयपुर।

10. कार्यशालाः—

क.सं.	संस्था	विषय	दिनांक
1.	रा.संस्कृत अकादमी, जयपुर	याज्ञवल्क्य शिक्षा का प्रशिक्षण शिविर	एक सप्ताह
2.	रा. संस्कृत अकादमी, जयपुर	राजस्थान में संस्कृत की दशा एवं दिशा	29कृ07.2012

सह — शैक्षणिक योग्यता

11. ओरियण्टेशन/रिफ्रेशर :—

क.सं.	विश्वविद्यालय		दिनांक
1.	राजस्थान विश्वविद्यालय ,जयपुर	(ऑरियन्टेशन)	30.10.2011 से 26.11.2011 तक
2.	इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद	(रिफ्रेशर)	02.02.2012 से 22.02.2012 तक
3.	इलाहाबाद विश्वविद्यालय,इलाहाबाद	(रिफ्रेशर)	10.10.2013 से 30.10.2013 तक
4.	जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय , जोधपुर	(रिफ्रेशर)	21.09.2015 से 10.10.2015 तक

12. प्रकाशित आलेख :—

क.सं.	शोधपत्र	पत्रिका व प्रकाशन वर्ष
1.	संस्कृत साहित्य में नारी का स्वरूप	संस्कृत वाङ्मय में नारी चित्रण 2012
2.	संस्कृत वाङ्मय में भ्रूण संरक्षण की अवधारणा	संस्कृति सौरभम् 2012
3.	वेदों में पर्यावरण संरक्षण	वेद पर्यावरण नवनीतम् 2014
4.	''याजुषाः शु. यजुर्वेदीय विद्वानों की परम्परा	वैजयन्ती 2014 (रा.म.सं.कॉ.जयपुर)
5.	महाकवि माघ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	महाकवि माघ महिमा 2014 (रा.म.सं.कॉ.जयपुर)
6.	कौटिल्य के सप्तांग सिद्धान्त	कौटिल्य का अर्थशास्त्र अतीत एवं वर्तमान 2014

13. सम्मेलन व संगोष्ठियों में सहभागिताः—

	वैदिक व्याख्यान	श्री धू. सं. महाविद्यालय , प्रयाग, 2010
1.	वेदों में पर्यावरण संरक्षण	रा.म.आ.सं.महाविद्यालय ,जयपुर 2011
2.	संस्कृत साहित्य में नारी का स्वरूप	रा.शा.सं. महाविद्यालय , महापुरा 2011
3.	राष्ट्रनिर्माणे नैतिकशिक्षायाः योगदानम्	संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय,इलाहाबाद 2013
4.	संस्कृत साहित्य में प्रथम पूज्य गणेश	संस्कृत भाषा परिषद् , जयपुर 2013
5.	वैदिक वा.में निहित सृष्टि एवं प्रकृति विज्ञान	रा. शि.प्र. विद्यापीठ, शाहपुरा बाग , जयपुर 2013
6.	कौटिल्य के सप्तांग सिद्धान्त	रा.म.आ.सं.महाविद्यालय,जयपुर 2014
7.	कुण्डमण्डप विधान	रा.म.आ.सं.महाविद्यालय, जयपुर 2015

14. प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान :—

1. संस्कृत विकास परिषद् संस्थानम् नाथद्वारा द्वारा सम्मानित ।
2. निम्बार्क संस्थानम् सम्मानित स्थल, उदयपुर, 2002 द्वारा सम्मानित ।
3. गोपुष्टि नवकुण्डात्मक महायज्ञ 2004 मे सम्मानित ।
4. श्री मधुसूदन वै.सं. पर्यावरण संस्थान, अलवर 2009 द्वारा सम्मानित ।
5. श्री मधुसूदन वै.सं. पर्यावरण संस्थान, अलवर 2010 द्वारा सम्मानित ।
6. पश्चिमांचल राष्ट्रिय वेद सम्मेलन, 2010 द्वारा सम्मानित ।
7. श्रीवैदिक संस्कृति प्रचारक संघ , जयपुरम् 2012 द्वारा सम्मानित ।

.

15. परीक्षा परिणामः–

नाम – व्याख्याता – डॉ0 शम्भुनाथ मिश्र विषय – शुक्लयजुर्वेद

सत्र	कक्षा	विषय /पत्र यजुर्वेद	परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या	प्रतिशत
2009–10	शा0 । वर्ष प्रथम पत्र		09	09	100 %
	शा0 ।। वर्ष प्रथम पत्र		05	05	100 %
	शा0 ।।। वर्ष प्रथम पत्र		05	05	100 %
	शा0 । वर्ष –द्वितीय वर्ष (सर्ववेद)		12	12	100 %
	आ0 ।। वर्ष – ।।। पत्र		04	04	100 %
2010–11	आ0 ।। वर्ष – ।।। पत्र		10	10	100 %
	शा0 । वर्ष – । पत्र		11	11	100 %
	शा0 । वर्ष – ।। पत्र		19	19	100 %
	शा0 ।। वर्ष – । पत्र		09	09	100 %
	शा0 ।।।वर्ष – । पत्र		05	05	100 %
2011–12	आचार्य ।। वर्ष ।।। पत्र		11	11	100 %
	शास्त्री । वर्ष – । पत्र		07	07	100 %
	शास्त्री । वर्ष – ।। पत्र		12	12	100 %
	शास्त्री ।।वर्ष – । पत्र		10	10	100 %
	शास्त्री ।।।वर्ष –। पत्र		09	09	100 %

2012–13	शा0 । वर्ष प्रथम पत्र	17	17	100 %
	शा0 ।। वर्ष प्रथम पत्र	07	07	100 %
	शा0 ।।। वर्ष प्रथम पत्र	10	10	100 %
	आ0 ।। वर्ष ।।।पत्र	05	05	100 %
	शा0 । वर्ष ।।पत्र	22	22	100 %
2013–14	शा0 । वर्ष प्रथम पत्र	09	09	100 %
	शा0 ।। वर्ष प्रथम पत्र	11	11	100 %
	शा0 ।।। वर्ष प्रथम पत्र	08	08	100 %
	शा0 । वर्ष ।।पत्र	11	11	100 %
	आचार्य ।।वर्ष ।।।पत्र	07	07	100 %
2014–15	शा0 । वर्ष प्रथम पत्र			100 %
	शा0 ।। वर्ष प्रथम पत्र			87.00 %
	शा0 ।।। वर्ष प्रथम पत्र			100 %
	शा0 । वर्ष –।।पत्र			100 %
	आचार्य । वर्ष – ।।। पत्र			100 %

16.विशेष कार्य व योगदान–

1. ज.रा.सं.वि. जयपुर के शास्त्री/आचार्य परीक्षा प्रश्न पत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, वीक्षण कार्य, वैदिक प्रदर्शनी, केन्द्रीय उ.पु. मूल्यांकन में सह समन्वयक, उडनदस्ता दल के सदस्य एवं प्रभारी के रूप में विगत कई वर्षों से कार्य संपादन ।
2. अध्यापन के अतिरिक्त संस्था में छात्रवृत्ति,कार्यालयीय, परीक्षा, प्रवेश आदि कार्य में सक्रिय योगदान।
3. कैरियर कांउसलिंग सेल – प्रभारी । (राज.शा.सं. महा. कालाडेरा कार्यभार 2016)
4. वृक्षारोपण एवं स्वच्छता प्रकोष्ठ – प्रभारी ।
5. महिला उत्पीडन निवारण समिति – प्रभारी ।

7.3 Sahitya Department

साहित्य–विभाग

''भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतिः संस्कृतस्तथा'' भारतीय संस्कृति एवं सनातन परम्परा की प्रतिष्ठापना में संस्कृत भाषा एवं साहित्य का महत्व विशेष रहा है। संस्कृत काव्यों महाकाव्यों , चम्पूकाव्यों एवं नाटक व कथा साहित्य में मानव जीवन मूल्य समाहित है। वस्तुतस्तु संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं के द्वारा ही युवाशक्ति को प्राचीन विश्वगुरू भारत के प्रागैतिहासिक सांस्कृतिक गौरव से परिचित कराया जाता है। क्योंकि इसी से ही राष्ट्र में पारस्परिक सौहार्द्र एवं समरसता जैसे मानवीय गुणों का विकास होता है। साहित्य की भी इसी प्रवृत्ति के कारण महाविद्यालय में अपनी स्थापना (1972) के साथ ही साहित्य विभाग की स्थापना भी हुई। इस विभाग के आचार्य प्रायः विविध शास्त्रों के ज्ञाता रहे हैं। यह भी सर्व प्रसिद्ध हैः– ''सर्वशास्त्रसारो हि साहित्यम्'' इस उक्ति को सार्थक करने वालों में पं. श्री मोहनलाल पाण्डेय जोकि अपनी साहित्य सर्जना से महामहिम राष्ट्रपति से सम्मानित हो चुके हैं। अनेक गद्य एवं पद्य काव्य, ऐतिहासिक रस कपूर उपन्यास का संस्कृत अनुवाद, पत्रदूतम् आदि इन की अमर कृतियॉ हैं। पं. प्यारेमोहन शर्मा काव्य लेखन के साथ ही दशाधिक वर्षों से संस्कृत मासिक पत्रिका ''भारती'' का सम्पादन कर रहे हैं। पं. गिरिजा प्रसाद ''गिरीश'' की सरस गीतिकाऍ आज भी छात्रों को संस्कृत अध्ययन के प्रति आकर्षित करती हैं। डॉ0 बाबूलाल शर्मा जिन्होंने यहॉ ही अध्ययन कर आचार्य कक्षा में सर्वोच्चस्थान प्राप्त कर स्वर्णपदक प्राप्त किया। विभिन्न राष्ट्रीय संगोष्ठियों में पत्र वाचन के साथ ही आपके अनेक शोधलेख प्रकाशित हो चुके हैं। आप वर्तमान में संस्कृत शिक्षा विभाग में ही वरिष्ठ व्याख्याता पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में पं. जानकीवल्लभ शर्मा व्याख्याता – साहित्य पद पर कार्यरत है। साहित्य शास्त्र के अतिरिक्त वेद, पौरोहित्य, ज्योतिषशास्त्र के पारम्परिक ज्ञाता, सवाई जयसिंह द्वितीय सम्मान, पौरोहित्य प्रवीण, वेदरत्नाकर सम्मान से सम्मानित एवं अनेक अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रिय शोध संगोष्ठियों में पत्र वाचन, अनेक पत्रिकाओं में शोधलेख भी इनके प्रकाशित है। आपने दक्षिण अफ्रिका स्थित मारिशस देश में अन्तर्राष्ट्रीय कर्मकाण्ड संगोष्ठी में कर्मकाण्ड के वैज्ञानिक पक्ष पर भी व्याख्यान दिया है।

यह विभाग संस्कृत साहित्य के प्रचार एवं नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिये सन्नद्ध है। यहॉ के छात्र विभिन्न क्षेत्रों कार्यरत हैं। साथ ही यह विभाग प्रतिवर्ष संस्कृत सप्ताह, संस्कृत संभाषण शिविरों का

आयोजन करता रहा है। जिनमें छात्रों की सहभागिता भी पूर्णतः रहती है। यह विभाग संस्कृत कविसम्मेलन, राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आगामी सत्रो में करने जा रहा है।

श्रीमती गोविन्दीदेवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

51.

डॉ0 जानकी वल्लभ शर्मा
व्याख्याता–साहित्य
श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत कॉलेज

कालाडेरा (जयपुर)

पिता का नाम – पं. श्री अयोध्या प्रसाद शर्मा

माता का नाम – श्रीमती पार्वती देवी शर्मा

क्र.सं.	कार्य	विवरण
1.	नाम	जानकीवल्लभ शर्मा
2.	पता	23 गोविन्द नगर, हीरापुरा पावर हाउस के पास, अजमेर रोड़ जयपुर– 302021
3.	शैक्षणिक योग्यता समस्त उपाधियों एवं श्रेणी सहित	शास्त्री (बी.ए.) द्वितीय श्रेणी, आचार्य (स्नातकोत्तर) द्वितीय श्रेणी शिक्षाशास्त्री–प्रथम, तृतीय, (एम.ए.) (संस्कृत) प्रथम
4.	सहशैक्षणिक योग्यता	• राज्यस्तरीय क्रीड़ाप्रतियोगिता में दल प्रभार । • पर्यावरण कार्यशाला में सहभागिता । • विवेकानन्द केन्द्र कन्या कुमारी द्वारा आयोजित परीक्षा का महाविद्यालय में आयोजन । • महाविद्यालय में संस्कृत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन। • राज्यस्तरीय संस्कृत दिवस समारोह में प्रतिवर्ष सरस्वती पूजन। • संस्कृतसप्ताह में महाविद्यालय में साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन ।

		• छात्रसंघ चुनाव में चुनाव अधिकारी। • अखिलभारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में छात्रदल संरक्षक।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

		• राजस्थान विश्वविद्यालय एवं संस्कृत विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रश्न पत्र निर्माण, मूल्यांकन एवं उड़नदस्ता दल सदस्य । • महाकवि माघ महिमा संगोष्ठी एवं संस्कृत कवि सम्मेलन का सह संयोजक । • अखिल भारतीय संगोष्ठी (कुण्डमण्डप विधान) में प्रायोगिक समन्वयक। • पौरोहित्य, वास्तु, ज्योतिष एंव वैदिक संस्कारों में सहभागिता, प्रशिक्षण एवं आयोजन। • नवीन छात्रप्रवेश समिति सदस्य। • छात्रप्रवेश आवेदनपत्र, विवरणिका एवं अन्य मुद्रण कार्य। • पर्यावरण परीक्षा– प्रयोगिक –आन्तरिक परीक्षक (2008 से 2014 पर्यन्त)			
5.	अध्यापन अनुभव	शिक्षक प्रशिक्षण (एस.टी.सी.) 1986 से जनवरी 1996 तक (10 वर्ष शास्त्री (यू.जी.) जनवरी 1996 से निरन्तर 19 वर्ष आचार्य –(पी.जी.) 10 वर्ष			
6	अनुसन्धान कार्य	कालिदास के काव्यों में ज्योतिषीय तत्व (शोधरत)			
7.	प्रकाशित आलेख	क्र.सं.	प्रकाशित लेख का शीर्षक	ग्रन्थ/पत्रिका	वर्ष
		1.	न विस्मराम्यहं	जगदीशप्रत्यभिज्ञानम्	1997
		2.	अवशिष्टं यौतुकम्	संस्कृत कथा वीथिका	1999
		3.	वास्तु एवं ग्रहदोषों का निराकरण,	पर्यावरण एवं वास्तु चिन्तन	2002
		4.	अथर्ववेदीय, वनस्पति एवं मानव जीवन	वेदेषु पुराणेषु च पादप प्राणि–पारिस्थितिकी	2006
		5.	कालिदासस्य व्योमण्डलीयचित्रणम्	स्वरमंगला	2008

		6.	वैदिक हवन रोगोपचार विज्ञान	विश्वदृष्टिः राज.वि.वि. जयपुर	2009

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

		7.	संस्कृत साहित्य में वर्णित राजकोष एवं कर व्यवस्था	संस्कृतवाङ्मय में लोकतन्त्र	2010
		8.	मत्स्य क्षेत्र का ऐतिहासिकता में योगदान	राष्ट्रिय संगोष्ठि, महाविद्यालय अलवर	2012
			भारतीय संस्कृत्याः वर्तमाने प्रासंगिकता	संस्कृत सौरभम्	2012
		9.	वेदों में पर्यावरण चिन्तन	वेद पर्यावरण नवनीतम्	2014
		10.	वैदिक चिन्तन में जगत्प्रसूती	वैदिकवाङ्मय में निहित सृष्टि एवं प्रकृति विज्ञान	2014
		11.	सम्पादक	वैजयन्ती	2014
		12.	साहित्य विभागपरम्परा	वैजयन्ती	2014
		13.	वैदिक हवन रोगोपचार विज्ञान	वैजयन्ती	2014
		14.	आचार्य चाणक्यः—ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि एवं दण्डविधान	कौटिल्य का अर्थशास्त्र अतीत एवं वर्तमान	2014
		15.	महाकवि माघ महिमा	ग्रन्थ सम्पादन	2015
		16.	मनोवैज्ञानिको माघः	शोध आलेख	2015

		17.	अविस्मरणीयाः हि गुरवः	संस्कृतसुमेरू (स्मृतिग्रन्थ)	2015
8.	प्राप्त पुरस्कार एवं सम्मान राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रिय	अन्तर्राष्ट्रिय सेमीनार प्रशस्तिपत्र–अ.भा. विधार्थी परिषद् विद्वत् सम्मान पौरोहित्य प्रवीण उपाधि, सरस्वती सम्मान, वेदरत्नाकर सम्मान, सवाई जयसिंह द्वितीय अवार्ड–			

		1.	विद्वत्सम्मान	दिव्यचातुर्मास महोत्सव	2002
		2.	पुरस्कार	फैड़रेशन भवन–मॉरिशस (दक्षिण अफ्रिका)	2003
		3.	तुलसी सम्मान	तुलसीदास जयन्ती समारोह	2004
		4.	सम्मान पत्र	श्री गोपुष्टि नवकुण्डात्मक महायज्ञ	2004
		5.	पुरस्कार	महाराजा सवाईजयसिंह द्वितीय, जयपुर अलंकरण	2007
		6.	पौरोहित्य प्रवीण	वैदिक संस्कृति प्रचारक संघ	2008
		7.	वेदरत्नाकर	पश्चिमांचल राष्ट्रीय वेद सम्मेलन	2010
		8.	विद्वत्सम्मान	प्रो. वैद्य लक्ष्मीनारायण शर्मा स्मृति	2012
		9.	प्रशस्ति पत्र	जयविनोदी ज्योतिष परिषद्	2014
9.	विधि संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों से सम्बद्धता	राजस्थान ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, संस्कृत–भारती, भारत संस्कृत परिषद्, संस्कृत भारती न्यास–जयपुर वैदिक संस्कृति प्रचारक संघ–जयपुर			

10.	अन्य कोई विशेष उपलब्धि	राजस्थान संस्कृत अकादमी एवं अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित–ज्योतिष, पौरोहित्य, वास्तु प्रशिक्षण शिविरों में समय–समय पर प्रशिक्षण, संस्कृत सम्भाषण शिविर का आयोजन एवं प्रशिक्षण,
11.	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	1. 2004 रा.सं.वि.वि.जयपुर ए.ग्रेड 2. 2012 रा.वि.वि.जयपुर ए.ग्रेड 3. 2015 रा.वि.वि.जयपुर ए.ग्रेड
	ओरियन्टेशन	1. 2012 रा.वि.वि.जयपुर ए.ग्रेड

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

12.विभिन्न उत्तरदायित्व –

क्रम संख्या	सत्र	वीक्षण कार्य/आन्तरिक परीक्षक
1.	2006	विश्वविद्यालय वीक्षण कार्य
2.	2007	
3.	2008	पर्यावरण आन्तरिक परीक्षक
4.	2009	पर्यावरण आन्तरिक परीक्षक
5.	2010	पर्यावरण आन्तरिक परीक्षक
6.	2011	पर्यावरण आन्तरिक परीक्षक
7.	2012	पर्यावरण आन्तरिक परीक्षक
8.	2013	

		पर्यावरण आन्तरिक परीक्षक
9.	2014	पर्यावरण आन्तरिक परीक्षक

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

13.परीक्षाफलपत्रकम्

सत्रम् – 2010–11		प्रविष्टछात्राः	उत्तीर्णछात्राः	प्रतिशतम्
शास्त्री प्रथमवर्षम्	प्रथमपत्रम्	61	59	95.8 %
	द्वितीयपत्रम्	61	61	100 %
शास्त्री द्वितीयवर्षम्	प्रथमपत्रम्	41	41	100 %
	द्वितीयपत्रम्	41	41	100 %
शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमपत्रम्	29	29	100 %
	द्वितीयपत्रम्	29	29	100 %
सत्रम् – 2011–12		प्रविष्टछात्राः	उत्तीर्णछात्राः	प्रतिशतम्
शास्त्री प्रथमवर्षम्	प्रथमपत्रम्	53	51	96.22 %
	द्वितीयपत्रम्	53	51	96.22 %
शास्त्री द्वितीयवर्षम्	प्रथमपत्रम्	54	41	75.92 %

	द्वितीयपत्रम्	54	54	100 %
शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमपत्रम्	42	42	100 %
	द्वितीयपत्रम्	42	42	100 %
आचार्य प्रथमवर्षम्	द्वितीयपत्रम्	80	69	86.25 %
सत्रम् – 2012–13		प्रविष्टछात्राः	उत्तीर्णछात्राः	प्रतिशतम्
शास्त्री प्रथमवर्षम्	प्रथमपत्रम्	36	12	33.33 %
	द्वितीयपत्रम्	36	34	94.44 %
शास्त्री द्वितीयवर्षम्	प्रथमपत्रम्	49	35	71.42 %
	द्वितीयपत्रम्	49	41	87.23 %
शास्त्री तृतीयवर्षम्	प्रथमपत्रम्	45	37	82.82 %
	द्वितीयपत्रम्	46	45	97.82 %

सत्रम् – 2013–14		प्रविष्टछात्राः	उत्तीर्णछात्राः	प्रतिशतम्
शास्त्री प्रथमवर्षम्	प्रथमपत्रम्	33	28	80.67%
	द्वितीयपत्रम्	33	33	100 %
शास्त्री द्वितीयवर्षम्	प्रथमपत्रम्	15	13	80.1%
	द्वितीयपत्रम्	15	14	90.5%
शास्त्री तृतीयवर्षम	प्रथमपत्रम्	30	29	96%
	द्वितीयपत्रम्	30	30	100%
आचार्य प्रथमवर्षम्	द्वितीयपत्रम्	102	102	100%
सत्रम् – 2014–15		प्रविष्टछात्राः	उत्तीर्णछात्राः	प्रतिशतम्
शास्त्री प्रथमवर्षम्	प्रथमपत्रम्	22	16	73%

	द्वितीयपत्रम्	22	19	86%
शास्त्री द्वितीयवर्षम्	प्रथमपत्रम्	30	27	90%
	द्वितीयपत्रम्	30	28	93%
शास्त्री तृतीयवर्षम	प्रथमपत्रम्	29	26	90%
	द्वितीयपत्रम्	29	29	100%
आचार्य प्रथमवर्षम्	द्वितीयपत्रम्	77	56	73%

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

14.राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय ,जयपुर

सत्र 2014–15 में विभिन्न समितियों मे दायित्व निर्वहन

क्रम सं.	नाम समिति	दायित्व
1.	साहित्यिक एवं सांस्कृतिक	प्रभारी
2.	महिला सुरक्षा	सदस्य
3.	संस्कृत संभाषण	प्रभारी
4.	विकास समिति	सदस्य

राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा – 2015–16

क्रम सं.	नाम समिति	दायित्व
1.	यू.जी.सी.	सदस्य
2.	आई. क्यू. ए. सी.	सदस्य
3.	छात्र कल्याण अधिष्ठाता परिषद्	अधिष्ठाता
4.	महिला उत्पीड़न निवारण समिति	सदस्य
5.	साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ	प्रभारी

व्याकरण विभाग

7.4 Vyakaran Department

संस्कृत साहित्य में व्याकरण–शास्त्र का अत्यधिक महत्व है। केवल संस्कृत भाषा ही नहीं अपितु विश्व की समूची भाषाओं का ज्ञान व्याकरण के बिना सम्भव नहीं है। हम सभी यह भली–भॉती जानतें हैं कि भाषा से ही लोक–व्यवहार चलता है। यदि भाषा नहीं है तो यह सम्पूर्ण विश्व अन्धकार मय प्रतीत होगा। महर्षि दण्डी ने भी कहा हैं–

''इदमन्धतमः कृत्स्नं जायेत भुवन त्रयम्।

यदि शब्दा ह्वयं ज्योतिरासंसारं न दीप्यते।।''

भाषा का ज्ञान व्याकरण के बिना सम्भव नही हो सकता है और व्याकरण के अभाव में हम शुद्ध शब्दों का उच्चारण करने में असमर्थ होते हैं। अतः व्याकरण का अध्ययन अत्यावश्यक है। वेदों की रक्षा के लिए भी व्याकरण का अध्ययन अति आवश्यक है। इस विषय में महाभाष्यकार पतंजलि कहते है कि **''रक्षार्थ वेदानामध्येयं व्याकरणं लोपागमवर्णविकारज्ञो हि पुरूषः सम्यक् वेदान् परिपालयिष्यति।''** व्याकरण हि वेदार्थज्ञान के प्रति प्रधान कारण है। वेदरूपी पुरूष के स्वरूप ज्ञान के लिए व्याकरण की मुख्यरूप में प्रधानता स्वीकार की गई है। अतः पाणिनीय शिक्षा में कहा भी है **''मुखं व्याकरणं स्मृतम्''** इति। व्याकरण–शास्त्र के द्वारा शब्द–व्युत्पति, शब्द निर्माण, शब्दार्थ एवं प्रकृति प्रत्यय का संयोजन, शब्दों का परियोजन एवं उनको अनुशासित रखने का कार्य किया जाता है। अतः व्याकरण शास्त्र का अपर नाम **'शब्दानुशासन'** भी है। संस्कृत व्याकरण के सम्यक् ज्ञान के लिए महर्षि पाणिनि द्वारा रचित **'अष्टाध्यायी'** सर्वप्रमुख एवं अनुपम ग्रन्थ है। आठ अध्याय में विभक्त यह ग्रन्थ सूत्ररीति पर आधारित है। सूत्रों एवं सूत्रार्थ का भली–भांति ज्ञान करवाकर शब्द निर्माण एवं परिशोधन रूपी अध्ययन अध्यापन बहुत गम्भीरता के साथ करवाया जाता है । व्याकरण विषय का अध्ययन विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से भी उपयोगी है।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

इस महाविद्यालय में शास्त्री कक्षाओं के प्रारम्भ होने के समय से ही व्याकरण विभाग रहा है। व्याकरण विभागाध्यक्ष के पद पर राजस्थान के प्रसिद्ध अनेक वैयाकरण कार्यरत रहे हैं जिनमें श्री मदन लाल डोलिया, श्री श्रीनारायण त्रिपाठी आदि मुख्य हैं। इसके अतिरिक्त श्री सूरजमल गौत्तम , डॉ0 अशोक कुमार झा, डॉ0 भास्कर शर्मा श्री जयशंकर चौधरी आदि ने भी इस पद को सुशोभित किया है। सम्प्रति व्याख्याता व्याकरण का पद रिक्त है। विगत 5 वर्षों का महाविद्यालयीय व्याकरण विषय का परीक्षा परिणाम निम्नानुसार रहा है। :–

सत्र	कक्षा	विषय	प्रविष्ट	उत्तीर्ण	प्रतिशत
2011	शा.प्रथम वर्ष	नव्य व्याकरण	28	28	100 %
	शा.द्वि.वर्ष	नव्य व्याकरण	21	20	95.23%
	शा.तृ.वर्ष	नव्य व्याकरण	28	28	100%
2012	शा.प्रथम वर्ष	नव्य व्याकरण	59	56	94.91%
	शा.द्वि.वर्ष	नव्य व्याकरण	24	24	100%
	शा.तृ.वर्ष	नव्य व्याकरण	20	20	100%
2013	शा.प्रथम वर्ष	नव्य व्याकरण	49	47	95.91%
	शा.द्वि.वर्ष	नव्य व्याकरण	54	49	90.74%
	शा.तृ.वर्ष	नव्य व्याकरण	25	25	100%
2014	शा.प्रथम वर्ष	नव्य व्याकरण	37	36	97.29%
	शा.द्वि.वर्ष	नव्य व्याकरण	45	45	100%
	शा.तृ.वर्ष	नव्य व्याकरण	52	51	98.50%
2015	शा.प्रथम वर्ष	नव्य व्याकरण	33	30	90.90%
	शा.द्वि.वर्ष	नव्य व्याकरण	42	42	100%
	शा.तृ.वर्ष	नव्य व्याकरण	44	42	95.45%

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

7.5 Hindi Department

हिन्दी – विभाग

संविधान के धारा (49) के अनुसार हिन्दी देश की राज्यभाषा होने के कारण इसका सभी विभागों तथा राज्यों में प्रचार–प्रसार हो रहा है। विश्व के करीब 160 दशों में हिन्दी विषय का अध्ययन करवाया जा रहा है। अमेरिका में हिन्दी के अध्ययन हेतु विशेष राशि सरकार द्वारा दी गई है। कम्प्यूटर तथा इन्टरनेट के प्रयोग में हिन्दी भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए हिन्दी प्रचारणी सभा आदि संस्थाएँ कार्यरत है तथा प्रतिवर्ष विश्व हिन्दी दिवस मानया जाता है। भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन में हिन्दी का विशेष महत्व रहा है क्योंकि हिन्दी का प्रचार प्रसार सम्पूर्ण भारत में रहा है। महात्मा गॉधी, सुभाष चन्द बोस, पं. जवाहर लाल नेहरू आदि ने भी यह स्वीकार किया कि देश की एक मात्र भाषा हिन्दी है जिसे सम्पूर्ण भारत के लोग लिख–पढ़ सकते हैं। अतः देश की राज्य भाषा घोषित करने के लिए हिन्दी ही सबसे उपर्युक्त है। हिन्दी का विकास संस्कृत से होने के कारण इसका संस्कृत से अधिक सम्बन्ध है। हिन्दी भाषा एवं इसके साहित्य के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए इस महाविद्यालय की स्थापना से ही हिन्दी साहित्य को ऐच्छिक एवं अनिवार्य विषय के रूप में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमानुसार अध्यापन करवाया जा रहा है। पूर्व में इस महाविद्यालय में श्री खुमानसिंह जी, श्रीमती मोहनी देवी ,श्रीमती सरिता रस्तोगी आदि विषय विशेषज्ञों द्वारा हिन्दी विषय का अध्यापन करवाया गया है। वर्तमान में श्री सुरेश चन्द शर्मा द्वारा सत्र 2009 से निरन्तर अध्ययन–करवाया जा रहा है।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

62.

व्यक्तिगत विवरण

1.नामः– सुरेश चन्द शर्मा , व्याख्याता हिन्दी

2.पिता का नामः– श्री ग्यासी राम शर्मा

3.माता का नामः– श्रीमती बसन्ती देवी शर्मा

4.जन्म तिथि– 01.02.1958

5.पता'– ए.– 116 रणजीतनगर , अलवर

6.कार्यालयः– श्रीमती गो. दे. स. राज. शा. संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा(जयपुर)

7.शैक्षणिक योग्यताः–

कक्षा	वर्ष	बोर्ड / विश्वविद्यालय
Xth	1973	मा0 शिक्षा बोर्ड अजमेर
XIth	1974	मा0 शिक्षा बोर्ड अजमेर
बी.एस.सी.	1977	राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर
बी.एड.	1983	एम.डी.विश्वविद्यालय रोहतक हरियाणा
एम.ए. (अंग्रेजी)	1979	राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर
एम.एड.	1993	हिमाचल प्रदेश वि.वि. शिमला
एम.ए. (हिन्दी)	1997	राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर
बी.जे.एम.सी.(पत्रकारिता)	1995	कोटा खुला वि.वि. कोटा
आचार्य	2003	ज.रा.रा.सं.वि.वि. , जयपुर

8.सह शैक्षणिक योग्यताः–

1.ओरियन्टेशनकोर्स – 09.01.12 से 04.02.2012 – जयनारायण व्यास वि.वि.जयपुर ।

2.रिफ्रेसर कोर्स – 05.9.11 से 24.9.2011 – जयनारायण व्यास वि.वि.जयपुर ।

3.रिफ्रेसर कोर्स – 10.09.12 से 29.9.2012 – जयनारायण व्यास वि.वि.जयपुर ।

4.यू.जी.सी. प्रभारी

5.आई. क्यू. ए. सी. प्रभारी

6.NAAC प्रभारी

7.छात्र– परामर्शदाता

8.छात्र संघ चुनाव प्रभारी

9.अध्यापन अनुभवः–

1985 से 2009 तक विभिन्न संस्थाओं में अध्यापन ।

2009 से निरन्तर वर्तमान महाविद्यालय में अध्यापन कार्य ।

10.अनुसन्धान कार्य :–

यू.जी.सी. के लघु शोध प्रोजेक्ट के अन्तर्गत – लघुशोध– प्रबन्ध लिखा गया।

विषय– हिन्दी का मानवीकरण एक विवेचन , राजस्थानी के विशेष सन्दर्भ में।

11.प्रकाशित आलेखः–

1. पर्यावरण प्रदूषण के सम्बन्ध में भारतीय कानून, विषय पर पर्यावरण द्वारा 2009 में लेख का प्रकाशन पर्यावरण एवं वन विभाग, राजस्थान सरकार,जयपुर द्वारा 1993 में लेख का प्रकाशन किया गया।
2. हिन्दी की दशा और दिशा– आचार्य बिडला कॉलेज पिलानी, झुन्झुनू
3. प्रयोजन परक हिन्दी – आचार्य बिडला कॉलेज पिलानी, झुन्झुनू

12.अतिरिक्त प्रभार :–

1. छात्र कल्याण परिषद – सदस्य

2. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ– सदस्य
3. रक्तदान समिति– सदस्य
4. विकास कोष समिति– सचिव
5. प्रश्न पत्र निर्माता – जगद्गुरू रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर
6. उ.पु. मूल्यांकन कार्य :– जगद्गुरू रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर
7. वि.वि. उडनदस्ता – सदस्य के रूप में कार्य

13.सम्मेलन एवं संगोष्ठियों में सहभागिता–

1. पर्यावरण प्रदूषण के सम्बन्ध में आलेख पर पर्यावरण विभाग राजस्थान सरकार जयपुर द्वारा राज्य स्तरीय प्रथम पुरूष्कार 1993 ई. में ।
2. अर्न्तराष्ट्रिय शोध संगोष्ठी 7.10.9 जनवरी 2013

   विषयः–संस्कृत वाड्.मय में शिक्षा के तत्व एवं वर्तमान में उनकी उपदेयता एस. एस. सुबोध कॉलेज जयपुर
3. राष्ट्रीय शोध–संगोष्ठी 25–30 अप्रैल 2011

   विषयः– संस्कृत साहित्य में वर्णित नारी–धर्म की महता –शा.सं.महा0 महापुरा
4. राष्ट्रीय शोध संगोष्ठीः– 20–21 फरवरी 2010

   विषयः– प्रयोजन परक हिन्दी – मौलिक पत्र वाचन श्री बिरला आचार्य महाविद्यालय, पिलानी झुन्झुनू
5. राष्ट्रीय शोध संगोष्टी :– 27–25 जून 2011

   विषयः– हिन्दी भाषा दशा और दिशा –मौलिक पत्र वाचन श्री बिरला आचार्य महाविद्यालय, पिलानी झुन्झुनू
6. राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी :– 17–19 फरवरी 2011

   विषयः– वेदों में पर्यावरण चेतना– पत्र वाचन राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, गॉधी नगर, जयपुर

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

7. राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी – 15–16 मार्च 2013

विषयः– ''योग साधना में श्री गणेश का स्वरूप चिन्तन'' संस्कृत भाषा परिषद,जयपुर एवं राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा प्रायोजित।

8. राजस्थान साहित्य परिषद, जयपुर के सदस्य एवं समय समय पर काव्य गोस्ठियों में कविता पठन एवं लेखन ।
9. राजस्थान पत्रिका एवं अन्य साहित्यिक पत्रिकाओं में समय समय पर लेख प्रकाशित।

वर्षवार अध्यापन विवरण हिन्दी

नाम व्याख्याता– श्री सुरेश चन्द शर्मा , व्याख्याता हिन्दी

सत्र	कक्षा	परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या	प्रतिशत
2010–11	शास्त्री पार्ट– ।	अनिवार्य– 57 हिन्दी साहित्य– 13	51	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।	16	16	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।।	23	23	100%
2011–12	शास्त्री पार्ट– ।	अनिवार्य हिन्दी 98 हिन्दी साहित्य 44	98 44	100% 100%
	शास्त्री पार्ट– ।।	11	11	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।।	15	14	93.39%
2012–13	शास्त्री पार्ट– ।	अनि. 74 हिन्दी सा. 46	74 44	100% 93.63%
	शास्त्री पार्ट– ।।	40	40	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।।	11	11	100%

2013–14	शास्त्री पार्ट– I	अनि. 61 हिन्द सा. 47	61 46	100% 97.87%
	शास्त्री पार्ट– II	37	37	100%
	शास्त्री पार्ट–III	40	40	100%
2014–15	शास्त्री पार्ट– I	अनि. 37 हिन्दी सा. 26	37 24	100% 92. 30%
	शास्त्री पार्ट– II	46	46	100%
	शास्त्री पार्ट–III	39	39	100%

7.6 Political Science Department

राजनीति विज्ञान

राजनीति विज्ञान विषय का सृष्टि के आदि काल से लेकर अद्यावधि पर्यन्त सदैव महत्त्व रहा है। इस महाविद्यालय की स्थापना से ही राजनीति विज्ञान विषय को आधुनिक विषय के अन्तर्गत छात्र/छात्राओं को पढाया जा रहा है।

जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा निर्धारित पाठ्य क्रमानुसार इस महाविद्यालय में अध्ययन – अध्यापन कार्य पूर्ण मनोयोग व कार्यकुशलता से करवाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत भारतीय राजनीतिक विचारक, परम्परागत तथा आधुनिक राजनीति विज्ञान की अवधारणाएँ, शक्ति, सत्ता, वैधता, लोकतन्त्र व अधिनायकतन्त्र, सरकार के प्रकार, व्यवस्थापिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका। राजनीतिक विचारधारा– आदर्शवाद, उदारवाद, मार्क्सवाद, लोकतान्त्रिक समाजवाद व अराजकतावाद। भारतीय राजव्यवस्था व भारतदेश के सम्मुख प्रमुख चुनौतियां जैसे साम्प्रदायिकता, आतंकवाद व क्षेत्रवाद। ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, स्विटजरलैण्ड, जापान व चीन जैसे प्रमुख देशों की राजनीतिक व्यवस्थाएँ। पाश्चात्य राजनीतिक विचारक, अन्ताराष्ट्रीय सम्बन्ध के अन्तर्गत भारत, चीन, अमेरिका व रूस की विदेश नीतियॉ, संयुक्त राज्य संघ, अन्ताराष्ट्रीय समसामयिक प्रवृत्तियॉ, सार्क व आसियान संगठन आदि उपयोगी विषयों का छात्र/छात्राओं को पूर्ण मनोयोग व कार्यकुशलता के साथ अध्ययन –अध्यापन कार्य करवाया जा रहा है।

पूर्व में इस महाविद्यालय में डॉ0 मिलनकुमार जैन व डॉ. कमल किशोर सैनी आदि ने राजनीति विज्ञान विषय के व्याख्याता के पद पर कार्य किया है। सम्प्रति सत्र 2011 से इस महाविद्यालय में श्री बृजबिहारी लाल पुरोहित द्वारा राजनीति विज्ञान विषय का अध्यापन कार्य पूर्ण कुशलता से किया जा रहा है।

1. नामः— बृजबिहारी लाल पुरोहित
2. पिता का नाम — श्री सत्यनारायण पुरोहित
3. माता का नाम — श्रीमती मोहनी देवी
4. पताः— पुरोहितों का मोहल्ला सकड़ी गली
   पो0 फतेहपुर शेखावाटी जिला—सीकर (राजस्थान)
   पिन नं.— 332301
   मो.नं.— 7597410305

5. **शैक्षणिक योग्यता —** राजनीति विज्ञान (स्नातकोत्तर) द्वितीय श्रेणी
   एल. एल. बी. द्वितीय श्रेणी
   लोक प्रशासन (स्नातकोत्तर) उत्तीर्ण

6. **सहशैक्षणिक —**
   1. विश्वविद्यालय परीक्षा प्रभारी
   2. ज.रा.रा.संस्कृत विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में प्रश्न पत्र निर्माण
   3. ज.रा.रा.संस्कृत विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम निर्माण समिति सदस्य
   4. ओरिएन्टेशन कोर्स ए.एस.सी. जयपुर
   5. छात्रसंघ चुनाव अधिकारी
   6. यू.जी.सी. प्रकोष्ठ — सदस्य
   7. एन्टी रेगिंग कमेटी — सदस्य
   8. साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रकोष्ठ — सदस्य
   9. रोड़ सेफ्टी क्लब — सदस्य
   10. तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ — सदस्य

7. **अध्यापन अनुभव —** 11 फरवरी 1997 से 8.7.2011 तक जी.आर. चमडिया आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, फतेहपुर (सीकर) मे अध्यापन
   9.7.2011से निरन्तर श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय , कालाडेरा (जयपुर) में अध्यापन ।

वर्षवार अध्यापन विवरण

नाम व्याख्याता – बृजबिहारी लाल पुरोहित व्याख्याता (राजनीति विज्ञान)

सत्र	कक्षा	परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या	प्रतिशत
2011–12	शास्त्री पार्ट– ।	45	45	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।	28	28	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।।	18	17	94.44%
2012–13	शास्त्री पार्ट– ।	22	22	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।	40	40	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।।	28	28	100%
2013–14	शास्त्री पार्ट– ।	14	14	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।	22	22	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।।	38	38	100%
2014–15	शास्त्री पार्ट– ।	09	09	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।	16	16	100%
	शास्त्री पार्ट– ।।।	19	19	100%

7.7 Library Department

पुस्तकालय विभाग

परिचय

राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा राजस्थान की राजधानी जयपुर शहर से 45 किमी. दूर शान्त क्षेत्र में स्थित है। महाविद्यालय पुस्तकालय की स्थापना एक छोटे से पुस्तकालय के रूप में सन 1972 में हुई थी। प्रारम्भिक वर्षो से ही यहॉ पुस्तकालय एवं वाचनालय सुचारू रूप से संचालित है। वर्ष 2000 से पूर्व में विद्यालय एवं महाविद्यालय पुस्तकालय का संचालन संयुक्त रूप से था। संस्कृत शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा महाविद्यालयों की प्रथम प्रशासन व्यवस्था के अन्तर्गत पुस्तकालय एवं वाचनालय को भी विद्यालय व्यवस्था से अलग कर दिया गया था। वर्तमान में पुस्तकालय महाविद्यालय के केन्द्र में 20X30 के हॉल में सुव्यवस्थित संचालित है।

पुस्तकालय में विभिन्न विषयों के लगभग 8000 ग्रन्थ है। यहॉ संस्कृत साहित्य, व्याकरण शास्त्र,धर्मशास्त्र, वेद वेदांग उपनिषद् , ज्योतिष आयुर्वेद नीतिशास्त्र इत्यादि की उत्कृष्ट पुस्तकों का संग्रह है।

ग्रन्थालय की पुस्तके सभी स्टॉफ, कर्मचारी एवं छात्रों हेतु उपयोग में ली जा सकती हैं। विद्यार्थियो को पाठ्यक्रम की पुस्तकें आवश्यकतानुसार उपलब्ध संख्या के आधार पर निरन्तर अवदानित की जाती हैं।

संदर्भ पुस्तकों का उपयोग पुस्तकालय/वाचनालय कक्ष में ही किया जा सकता है। पुस्तकालय कक्ष में वाचनालय की व्यवस्था है, छात्रों एवं शिक्षकों के सामान्य ज्ञान की अभिवद्धि हेतु संस्कृत भारती, स्वर मंगला, रचना विमर्श , रोजगार सन्देश, इंडिया टूडे आदि मास पत्रिकाओं सहित प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अनेक पत्र पत्रिकाएँ भी पुस्तकालय द्वारा उपलब्ध करवाई जाती है। महाविद्यालय पुस्तकालय के रखरखाव हेतु प्रथम पुस्तकालय अध्यक्ष श्रीमती किरण गुप्ता मार्च सन् 1992 में नियुक्त हुई थी। तत्पश्चाद् श्रीमती इन्द्रा जैन ने अपनी सेवाएँ दी है। श्रीमती जैन के स्थानान्तरण के बाद वर्तमान में जुलाई 2015 से श्री बृजेश कुमार शर्मा पुस्तकालयाध्यक्ष पद पर कार्यरत है।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

71.

INFORMATION ABOUT PRESENT LIBRARIAN: -

1. नामः– बृजेश कुमार शर्मा (पुस्तकालयाध्यक्ष)
2. पिता का नामः– देवी दास शर्मा
3. जन्म तिथि :– 15 मई 1960
4. पताः– शिवानंदपुरी ग्राम महापुरा (अजमेर–रोड़) जयपुर राजस्थान पिन नं.– 302026
5. मो.नं. – 9413764263
6. कार्यालय – राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा (जयपुर) राज. पिन :–303801
   टेलिफोन नं.– 01423– 265482
7. शैक्षणिक योग्यता समस्त उपाधियों सहितः–
   1. सैकण्डरी सन् 1978 तृतीय श्रेणी मा0 शि0 बोर्ड राज. अजमेर
   2. हायर सैकण्डरी सन् 1979 द्वितीय श्रेणी मा0 शि0 बोर्ड राज. अजमेर
   3. बी.ए. सन् 1982 तृतीय श्रेणी राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर
   4. बी.लिव. साइन्स सन् 1991 प्रथम श्रेणी इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली
   5. एम.लिब. साइन्स सन् 1998 द्वितीय श्रेणी डॉ0 हरी सिंह गौड़ विश्वविद्यालय सागर (मध्यप्रदेश)
   6. एम.ए. (योगविज्ञान)सन् 2002 द्वितीय श्रेणी जैन विश्व भारती लॉडनू (राजस्थान)
   7. एम.फिल. पुस्तकालय विज्ञान सन् 2007 (द्वितीय श्रेणी) मदुरई कामराज विश्वविद्यालय मदुरई (तमिलनाडू)
   8. अनुभव :– 23 वर्ष
   9. एक ओरियन्टेशन एवं दो रिफ्रेशर कोर्स राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर से ।
   10. पूर्व सेवाकाल पद स्थापन : 7 जनवरी 1993 से राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय महापुरा (जयपुर) राज.

7.8 Sports Department

शारीरिक शिक्षा विभाग

महाविद्यालय मे अध्ययन –अध्यापन के साथ–साथ विद्यार्थियों का शारीरिक विकास भी अत्यावश्यक है प्राचीन काल तथा आधुनिक काल में शारीरिक शिक्षा व सामान्य शिक्षा में काफी अन्तर पाया जाता है। शिक्षा प्राचीन काल में जहॉ आश्रमों में दी जाती थी वहीं अब विद्यालयों एवं महाविद्यालयो में दी जा रही है। आज का युग मशीनी युग है आज का प्रत्येक कार्य मशीनों द्वारा संभव है। अतः मनुष्य को अधिक शारीरिक श्रम की आवश्यकता नही पड़ती है अपितु विद्यार्थियों की मानसिक शान्ति का बहुतायत में प्रयोग होता है। जिसके कारण विद्यार्थियों की मांस पेशिया निढाल होती जा रही हैं। अतः भारत सरकार द्वारा इस विषय पर विचार किया गया कि शारीरिक शिक्षा के माध्यम से कॉलेजो मे खेल गति विधियों को वर्ष पर्यन्त चलाने के लिए खेलो पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, जिससे टीम खेलों, व्यक्तिगत खेलों एवं बाह्य खेलों का विकास हो सके जिससे खिलाडियों की शारीरिक क्षमता मे वृद्धि हो।

अखिल भारतीय खेल सलाहकार समिति का सन् 1954 मे मौकाना अब्दुला कलाम आजाद द्वारा गठन किया गया । समिति ने भारत मे खेलों के स्तर को सुधारने एवं पूरे वर्ष खेल प्रतियोगिताओ के कार्यक्रम तैयार किय गये जिससे सर्वश्रेष्ठ खिलाडी तैयार हो सके।

इस महाविद्यालय की स्थापना 1972 मे हुई। इसके साथ ही शारीरिक शिक्षा विभाग की भी स्थापना की गई, जिसके माध्यम से विद्यार्थियों मे खेलों के प्रति लगाव पैदा किया जा सके ओर इस कार्यक्रम को बढाया दिया जा सके। महाविद्यालय की स्थापना के समय पी.टी. ड्रिल मलखम एवं कुश्ती का अभ्यास करवाया जाता था। जिससे छात्रों मे भाई चारे व एक साथ अभ्यास करने से संगठित रहने के गुणो का विकास हुआ और महाविद्यालय के विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ने लगा जिसके परिणाम स्वरूप महाविद्यालय के खिलाड़ी अन्तर महाविद्यालय , अन्तर वि.वि. एवं अखिल भारतीय वि.वि. स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने लगे। इस प्रकार स्पोर्टस कोटे के अन्तर्गत नियुक्तियों मे इस कॉलेज के खिलाडी भी रोजगार प्राप्त कर रहे है। वर्तमान मे इस कॉलेज के खिलाड़ी शारीरिक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय जामडोली, जोधपुर ,राज.वि.वि. जयपुर आदि से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं जिनमें छात्रा मौसम सेरावत भी है इसी प्रकार महाविद्यालय के

छात्र/छात्राओं का सेना व पुलिस मे भी चयन हुआ है इसी क्रम मे विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षा से खेलो के प्रति जागरूक करने की जिम्मेदारी सर्व प्रथम श्रीमान् नोपा राम मीना को दी गई।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

इस परम्परा का निर्वह्न करते हुए श्री अशोक कुमार शर्मा , हीरालाल गुर्जर , सुरेशपाल सिंह ने अपना सम्पूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2009 से लगातार डॉ0 प्रेम सिंह मीणा विद्यार्थियो को शारीरिक शिक्षा एवं खेलो के प्रति जागरूक करते हुए आधुनिक तकनीकी के माध्यम से छात्र/छात्राओं को प्रेरित कर रहे है जिसके परिणाम स्वरूप कई विद्यार्थी राज्य एवं देश के विभिन्न राजकीय/अराजकीय संस्थाओं मे कार्यरत हैं जो देश के चहुमुखी विकास मे अपना अहम योगदान दे रहे हैं। डॉ0 मीणा विभागीय खेल कूद प्रतियोगितायो मे निर्णायक/मुख्य निर्णायक/चयनकर्ता के रूप मे अपना उत्कृष्ट कार्य निरन्तर करते रहे हैं।

डॉ0 मीणा 2010 से निरन्तर ज.रा.रा.सं.वि.वि. जयपुर मे टीम मैनेजर व कोच के रूप मे विश्वविद्यालय की टीमों को वेस्ट जोन स्तर, अखिल भारतीय स्तर व अन्तर विश्वविद्यालय क्रीडा प्रतियोगिताओं मे उनकी सहभागिता सुनिश्चित करवाते रहे हैं। डॉ0 मीणा अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों का पूर्ण निर्वहन करते हुए विधार्थियो को समय समय पर खेलो मे रूचि एवं सहयोग हेतु प्रेरित करते रहते हैं श्री मीण वर्तमान में महाविद्यालय के अनेक छात्र/छात्राओ ने , क्रिकेट, दौड़, वालीबाल, खो–खो बैडमिन्टन आदि मे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुये कॉलेज की गरिमा को बढाया हैं डॉ0 प्रेम सिंह मीणा की शैक्षणिक योग्यता निम्नानुसार

नामः– डॉ0 प्रेम सिंह मीणा

पिता का नाम – श्री हीरा लाल मीणा

माता का नाम– श्रीमती धामा देवी

स्थायी पता– ग्राम मेलखेडी का बास

पोस्ट– गण्डूरा वाया– बडौदामेव

जिला– अलवर पिन– 301021

वर्तमान कार्यरत – राजकीय शास्त्री संस्कृत कॉलेज कालाडेरा

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

74.

शैक्षणिक योग्यताएँ

1. Secondary 1994 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर ।। श्रेणी

2.Hr. Sec. 19994 माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर ।। श्रेणी

3.बी. ए. 2001 राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ।।। श्रेणी

4.एम. ए. (राजनीति विज्ञान) 2003 राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ।।। श्रेणी

5.एम. ए. (हिन्दी) 2007 राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ।।। श्रेणी

6.MPE (M.A. Phy.Edu) 2009 IASE डिम्ड विश्वविद्यालय सरदार शहर राजस्थान Ist

प्रशैक्षिक योग्यताएँ

1.Cped 1997 Ist DEPARTMENT OF EDUCATION DEPARTMENTAL EXA.RAJ.BIKANER

2.Bped 2006 मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर Ist

3.Phd 2014 जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबडेवाल विश्वविद्यालय चुडेला झुन्झुनू राजस्थान

सहशैक्षशिक योग्यताये

1. ओरियन्टेशन कोर्स u.g.c. academic staff college JNVU Jodhpur दिनांक 18.6.12 से 14.7.2012 तक
2. रिफ्रेशर कोर्स u.g.c. academic staff college राज. विश्वविद्यालय जयपुर दिनांक 20.5.13 से 8.6.13 तक

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

75.

शोध पत्र वाचन

1. R.L.SAHARIA GOVT P.G.COLLEGE KALADERA National work shop on SKILLS AND TECHNIQUES OF RESEARCH Writing 2011 SPONSORED BY UGC
2. राजस्थान शिक्षक प्रशिक्षण विद्यापीठ शाहपुरा बाग आमेर रोड जयपुर के तत्तवावधान में विशविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी विषय शिक्षा का वैश्वीकरण 2012
3. वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय,कोटा क्षेत्रीय केन्द्र जयपुर एवं राजस्थान संस्कृत अकादमी , आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा एवं निदेशालय संस्कृत शिक्षा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला राजस्थान में संस्कृत की दशा एवं दिशा 2012
4. संस्कृत भाषा परिषद् ,जयपुरम् राजस्थान –संस्कृत– अकादमी, जयपुरम् इत्यनयोः संयुक्ततत्त्वावधाने सामायोजिता राष्ट्रिय–शोध–संगोष्ठी विषयः–संस्कृत साहित्य में प्रथम पूज्य गणेश 2013
5. INTERNATIONAL CONFERENCE ON STRATEGIES FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT IN INDIA ORGANIZED BY SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY , JHUNJHUNU (RAJ.)
6. DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION PUNJABI UNIVERSITY, PUNJAB[INDIA] ICFTPE-2013 INTERNATION CONFERENCE ON FUTURISTIC TRENDS IN PHYSICAL EDUCATION SPONSORED BY UGC

7. DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION PUNJABI UNIVERSITY, PUNJAB[INDIA] 2014 NATIONAL CONFERENCE ON WELLNESS THROUGH PHYSICAL ACTIVITY FUTURE PERSPECTIVE
8. S.S JAIN SUBODH P.G. [AUTONOMOUS] COLLEGE JAIPUR-INDIA INTERNATIONAL CONFERENCE ON SOCIAL RESPONSIBILITY IN ECONOMIC PERSPECTIVE A GLOBAL ISSUE 2014
9. NATIONAL SEMINAR ON LATEST TRENSDS IN INFORMATION TECHNOLOGY,THEORY AND PRACTICE 2014

10. IASMCOM 2014 35th NATIONAL CONGRESS OF INDIAN ASSOCITION OF SPORTS MEDICINE JAIPUR [RAJ] 2014
11. S.S.JAIN SUBODH P.G.COLLEGE NATIONAL CONFERENCE ON CSBIM 2014
12. SHRI JAGDISHPRASAD JHABARMAL TIBREWALA UNIVERSITY JHUNJHUNU-CHURU ROAD,VIDYA NAGARI, CHUDELA, DISTT.-JHUNJHUNU (RAJ.) INTERNATIONAL CONFERENCE ON “SHAPING THE FUTURE OF INDIA – CHALLENGES FOR EFFECTIVE IMPLEMENTATION OF SYSTEMS” 2013

INTERNATIONAL JOURNAL

1. INTERNATIONAL JOURNAL 0F BEHAVIORAL SOCIAL AND MOVEMENT SCIENCES [ISSN 22777547] VOL.NO. 02NOV. 2013 ASSESSMENT DESIGNING OF DEVELOPMENT TRENDS OF BASKETBALL IN RAJASTHAN
2. INTERNATIONAL JOURNAL OF RESEARCH PEDAGOGY AND TECHNOLOGY IN EDUATION AND MOVEMENT SCIEMENT SCIENCES {IJEMS} ISSN:2319-3050 VOL.02.DEC.2013

BOOK PUBLIC

EDUCATION AND SPORTS PSYCHOLOGY [ISBN -978-81-7216-361-7] FRIENDS PUBLICATIONS [INDIA] 101-103,4787/23,ANSARI ROAD, DARYA GANJ NEW DELHI

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

महाविद्यालय के खिलाडियों की विगत पॉच वर्षो की उपलब्धियॉ अन्तर महाविद्यालय/अन्तर विश्वविद्यालय /अखिल भारतीय स्तर निम्नानुसार हैं–

क्र. सं.	खिलाडी का नाम	पिता का नाम	खेल	स्थान	सत्र
1.	अंकित जॉगिड़	श्री सत्यनारायण जॉगिड	बैडमिन्टन	IInd	2009–10
2.	अर्जुन लाल सैन	'' मोहन लाल सैन	बैडमिन्टन	IInd	2009–10
3.	राकेश कुमार शर्मा	'' मोहन लाल शर्मा	बैडमिन्टन	IInd	2009–10
4.	राजवीर मीणा	'' नागर मल मीणा	बैडमिन्टन	IInd	2009–10
5.	मुकेश कुमार मीणा	'' हजारी लाल मीणा	बैडमिन्टन	IInd	2009–10
6.	महेन्द्र कुमार कपूरिया	'' छीतरमल कपूरिया	क्रिकेट		2010–11
7.	मुकेश कुमार मीणा	'' हजारी लाल मीणा	क्रिकेट		2010–11
8.	सुनिल कुमार कुमावत	'' राम गोपाल कुमावत	एथलेटिक	IInd	2010–11
9.	मुकेश कुमार मीणा	'' हजारी लाल मीणा	क्रिकेट	IInd	2010–11
10.	राकेश कुमार सैनी	'' पूरणमल सैनी	क्रिकेट	IInd	2010–11
11.	सुभाष चन्द हटवाल	'' लच्छूराम	क्रिकेट	IInd	2010–11

12.	सन्तोष कुमार मीणा	'' बंशीधर मीणा	क्रिकेट	IInd	2010–11
13.	सुरेश कुमार कुमावत	'' नानगराम सैनी	क्रिकेट	IInd	2010–11
14.	महेन्द्र कुमार कपूरिया	'' छीतरमल कपूरिया	क्रिकेट	IInd	2010–11
15.	हंसराज धनवन्त	'' रामपाल धनवन्त	क्रिकेट	IInd	2010–11
16.	आनन्द दोतोलिया	'' सीताराम दोतोलिया	क्रिकेट	IInd	2010–11
17.	गिरीराज कुमार सौकरिया	'' रमेश चन्द सौकरिया	क्रिकेट	IInd	2010–11
18.	दशरथ कुमार मीणा	'' मालीराम मीणा	क्रिकेट	IInd	2010–11
19.	राजेश कुमार कुमावत	'' कानाराम कुमावत	क्रिकेट	IInd	2010–11
20.	गणेश कुमार जॉगिड़	'' ताराचन्द जॉगिड़	क्रिकेट	IInd	2010–11
21.	दिनेश कुमार चौधरी	'' बंशीधर चौधरी	क्रिकेट	IInd	2010–11
22.	सुमन सालोदिया	'' रामगोपाल सालोदिया	1500मीटर दौड़	IInd	2010–11
23.	नीतू शर्मा	'' बाबूलाल शर्मा	400मीटर दौड	IInd	2010–11
24.	सन्तोष यादव	'' ग्यारसी लाल यादव	400मीटर दौड़	IInd	2010–11
25.	एकता शर्मा	'' रामावतार शर्मा	400मीटर दौड़	IInd	2010–11

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

26.	नाथी सैनी	'' मंगल चन्द	400मीटर दौड़	IInd	2010711
27.	अनिता सैनी	'' सीताराम सैनी	लम्बी कूद	IInd	2010–11
28.	धर्मेन्द्र कुमार जाट	'' सुरेश कुमार	क्रिकेट		2011–12
29.	सुरेश कुमार कुमावत	'' नानूराम कुमावत	400मीटर दौड़	IInd	2011–12
30.	लक्ष्मीनारायण	'' नेगाराम सैनी	400मीटर दौड़	IInd	2011–12
31.	हंसराज धनवन्त	'' रामपाल धनवन्त	400मीटर दौड़	IInd	2011–12
32.	धारासिंह	'' जगदीश प्रसाद	400मीटर दौड़	IInd	2011–12
33.	राहुल कुमार शर्मा	'' रामगोपाल शर्मा	बालीबॉल	IInd	2012–13
34.	आनन्द दोतोलिया	'' सीताराम दोतोलिया	बालीबॉल	IInd	2012–13
35.	हनुमान सैनी	'' कालूराम सैनी	बालीबॉल	IInd	2012–13
36.	राजेन्द्र कुमार शर्मा	'' सुरेश कुमार शर्मा	बालीबॉल	IInd	2012–13
37.	दशरथ मीणा	'' मालीराम मीणा	बालीबॉल	IInd	2012–13
38.	देवी लाल सैनी	'' प्रहलाद सैनी	बालीबॉल	IInd	2012–13

39.	श्रवण कुमार शर्मा	'' महेन्द्र कुमार शर्मा	बालीबॉल	IInd	2012–13
40.	संजय दोतोलिया	''गोपालकृष्ण दोतोलिया	बालीबॉल	IInd	2012–13
41.	सुनील मुवाल	'' भगवान सहाय	बालीबॉल	IInd	2012–13
42.	हरफूल सिंह सेरावत	'' कजोड़मल सेरावत	बालीबॉल	IInd	2012–13
43.	देवी लाल सैनी	'' प्रहलाद सहाय सैनी	खो–खो		2012–13
44.	हनुमान सहाय सैनी	'' कालूराम सैनी	खो–खो		2012–13
45.	बालकृष्ण मीणा	'' उमराव मल मीणा	क्रिकेट		2012–13
46.	राहुल कुमार शर्मा	'' रामगोपाल शर्मा	खो–खो		2013–14
47.	श्रवण कुमार स्वामी	'' कल्याणमल स्वामी	खो–खो	Ist	2013–14
48.	धीरजनैनवाल	'' चान्दमनि नैनवाल	खो–खो	Ist	2013–14
49.	देवी लाल सैनी	'' प्रहलाद सैनी	खो–खो	Ist	2013–14
50.	हनुमान सहाय सैनी	'' कालूराम सैनी	खो–खो	Ist	2013–14
51.	श्रवण कुमार शर्मा	'' महेन्द्र कुमार शर्मा	खो–खो	Ist	2013–14
52.	कालूराम सैनी	'' मंगलचन्द सैनी	खो–खो	Ist	2013–14

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

53.	हरफूलसिंह सेरावत	'' कजोड़मल सैनी	खो–खो	Ist	2013–14
54.	मुकेश कुमार जाट	'' बाबूलाल जाट	खो–खो	Ist	2013–14
55.	सुनिलकुमार मुवाल	'' भगवानसहास मुवाल	खो–खो	Ist	2013–14
56.	राहुल कुमार कुमावत	''लक्ष्मीनारायण कुमावत	खो–खो	Ist	2013–14
57.	राकेश कुमार यादव	'' मंगल चन्द यादव	खो–खो	Ist	2013–14
58.	मौसम शेरावत	'' कजोडमल सेरावत	100 मी. दौड़	Ist	2014–15
59.	मौसम शेरावत	'' कजोडमल सेरावत	400 मी. दौड़	Ist	2014–15
60.	सुनीता कुमावत	'' नाथूराम कुमावत	1500 मी. दौड़	III	2014–15
61.	अल्का कुमावत	'' रामनारायण कुमावत	4X100रिलेदौड़	IInd	2014–15
62.	अन्तिमा जैन	'' विमल चन्द जैन	4X100रिलेदौड़	IInd	2014–15
63.	मौसम शेरावत	'' कजोडमल सेरावत	4X100रिलेदौड़	IInd	2014–15

64.	गायत्री कुमावत	'' पुरूषोत्तम कुमावत	4x100रिलेदौड़	IInd	2014–15
65.	जितेन्द्र कुमार जाट	'' सुरेश कुमार जाट	खो–खो	Ist	2014–15
66.	कमलेश मीणा	'' कल्याण सहाय	खो–खो	Ist	2014–15
67.	संजय कुमार प्रजापत	'' मोहन लाल प्रजापत	खो–खो	Ist	2014–15
68.	हनुमान सहाय सैनी	'' कालूराम सैनी	खो–खो	Ist	2014–15
69.	भानु कुमार सैनी	'' शंकर लाल सैनी	खो–खो	Ist	2014–15
70.	योगेश कुमार जाट	'' नारायण लाल जाट	खो–खो	Ist	2014–15
71.	राकेश कुमार यादव	'' मंगल चन्द यादव	खो–खो	Ist	2014–15
72.	श्रवण कुमार स्वामी	'' कल्याण मल स्वामी	खो–खो	Ist	2014–15
73.	विपिन कुमार शर्मा	'' कैलाश चन्द शर्मा	खो–खो	Ist	2014–15
74.	सुनिल कुमार मुवाल	'' भगवान सहाय मुवाल	खो–खो	Ist	2014–15
75.	राहुल कुमार कुमावत	''लक्ष्मीनारायण कुमावत	खो–खो	Ist	2014–15
76.	सुनिल कुमार चौधरी	'' कानाराम सैनी	खो–खो	Ist	2014–15

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

80.

77.	हनुमान सहाय सैनी	'' कालूराम सैनी	खो–खो		2014–15
78.	सुनिल कुमार चौधरी	'' कानाराम चौधरी	खो–खो		2014–15
79.	कमलेश मीना	'' कल्याण सहाय सैनी	खो–खो		2014–15
80.	योगेश कुमार जाट	''नारायण लाल शेरावत	खो–खो		2014–15
81.	विपिन कुमार शर्मा	'' कैलाश चन्द शर्मा	खो–खो		2014–15
82.	अल्का कुमावत	'' रामनारायण कुमावत	हेण्डबाल	IInd	2014–15
83.	अन्तिमा जैन	'' विमल चन्द जैन	हेण्डबाल	IInd	2014–15
84.	मौसम सेरावत	'' कजोड़मल सेरावत	हेण्डबाल	IInd	2014–15
85.	सुनिता कुमावत	'' नाथूराम कुमावत	हेण्डबाल	IInd	2014–15
86.	गायत्री कुमावत	'' पुरूषोतम कुमावत	हेण्डबाल	IInd	2014–15

87.	ग्ंगा कुमावत	'' धन्नाराम कुमावत	हेण्डबाल	IInd	2014–15
88.	पवन कुमार सैनी	'' कालूराम सैनी	खो–खो	Ist	2015–16
89.	जितेन्द्र कुमार सैनी	''प्रहलासहाय सैनी	खो–खो	Ist	2015–16
90.	गजेन्द्रकुमार चौहान	'बनवारी लाल चौहान	खो–खो	Ist	2015–16
91.	भानुकुमार सैनी	'' शंकर लाल सैनी	खो–खो	Ist	2015–16
92.	राहुल कुमार कुमावत	लक्ष्मीनारायण कुमावत	खो–खो	Ist	2015–16
93.	विपिन कुमार शर्मा	'' कैलाश चन्द शर्मा	खो–खो	Ist	2015–16
94.	कमलेश कुमार सेरावत	'' हरफूल सेरावत	खो–खो	Ist	2015–16
95.	सुनिल कुमार चौधरी	'' कानाराम चौधरी	खो–खो	Ist	2015–16
96.	मनोज सेरावत	'' कजोडमल सेरावत	खो–खो	Ist	2015–16
97.	कमलेश मीणा	''कल्याण सहाय मीणा	खो–खो	Ist	2015–16
98.	योगेश कुमार जाट	''नारायण लाल सेरावत	खो–खो	Ist	2015–16

7.9 ENGLISh DEPARTMENT

English is known as link language of the world To make familiar of the Student to the modern kn0wledge and Technologe English Language is teach as a optional and Compulsory subject at a degree Level . Previously Mr. Ripu Deman Sharma ,Lecturer of Engilesh was Teaching. Now he has Retired and Post is Vacent . The Result of Last Five Years of the English Subject is as following :-

सत्र	कक्षा	विषय	प्रविष्ट	उत्तीर्ण	प्रतिशत

2011	शा.प्रथम वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	5	5	100%
	शा.द्वि.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	3	3	100%
	शा.तृ.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	2	2	100%
2012	शा.प्रथम वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	9	9	100%
	शा.द्वि.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	5	5	100%
	शा.तृ.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	3	3	100%
2013	शा.प्रथम वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	6	6	100%
	शा.द्वि.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	10	10	100%
	शा.तृ.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	5	5	100%
2014	शा.प्रथम वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	–	–	–
	शा.द्वि.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	6	6	100%
	शा.तृ.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	10	10	100%
2015	शा.प्रथम वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	2	2	100%
	शा.द्वि.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	–	–	–
	शा.तृ.वर्ष	अंग्रेजी साहित्य	6	6	100%

8.Social Responsibilities and Extension -Acteivities

8.1 INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELLS

(IQAC)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार महाविद्यालय में सत्र 2013–14 से Internal Quality Assurance Cells का गठन किया गया है जिसका उद्देश्य महाविद्यालय में इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करना जिससे छात्रों के विषय सम्बन्धी ज्ञान में गुणात्मकरूप से वृद्धि हो। इनके माध्यम से छात्रों को पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विषय सम्बन्धी नवीन तकनीकी ज्ञान से परिचित करना है। इसके संचालन के लिए एक प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। महाविद्यालय के प्राचार्य इसके अध्यक्ष है तथा सदस्य के रूप में पॉच वरिष्ठ व्याख्याता, दो विशेषज्ञ एवं एक व्याख्याता समन्वयक है। इसके लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा बजट स्वीकृत किया गया है। प्रत्येक सत्र में इसके लिए जुलाई से मार्च तक का कार्यक्रम निर्धारित किया जाता है। पिछले सत्र में छात्रों को संस्कृत सम्भाषण कार्यक्रम, पर्यावरण अध्ययन, व्याकरण में संज्ञा प्रकरण, पंच सन्धिप्रकरण , समासप्रकरण, साहित्य में छंद, अलंकार, रस, वेद विभाग में ग्रह शान्ति प्रयोग, रूद्राभिषेक प्रयोग, राजनीति विज्ञान में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायापालिका आदि का ज्ञान करवाया गया। हिन्दी विभाग द्वारा प्रयोजन परक हिन्दी एवं हिन्दी का मानवीकीकरण की जानकारी दी गई। खेल विभाग द्वारा–बैडमिन्टन एवं बालीबाल की कोचिंग दी गई। इस प्रकार सत्र 2015–16 में जुलाई से मार्च तक किया जानेवाला कार्यक्रम पूर्व निर्धारित है। पिछले सत्र में इसके समवन्यवक डॉ0 बाबूलाल शर्मा रहे हैं तथा वर्तमान में श्री सुरेश चन्द शर्मा ,व्याख्याता हिन्दी इसके समवन्यवक हैं। इससे छात्रों के विषय सम्बन्धी ज्ञान में गुंणात्मकरूप से सुधार हुआ है।

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

8.2 (NCC)

इस महाविद्यालय मे NCC ईकाई की शुरूआत करने के लिए महाविद्यालय प्रतिबद्ध है। इसके लिये 19 अगस्त 1980 से निरन्तर प्रयास किये जा रहे है वर्तमान मे 3राज बटालियन NCC सीकर में विस्तृत आवेदन पत्र जमा करवा रखा है साथ ही कमान अधिकारी 1राज बटालियन NCC रामनिवास बाग

जयपुर में संस्था का नाम वैटिंग लिस्ट के क्रमसं. 05 पर दर्ज है। जैसे ही संस्थाओ को NCC यूनिट प्रारम्भ करने की स्वीकृति होगी। इस संस्था में NCC प्रारम्भ कर दी जावेगी। इसके प्रभारी वर्तमान में डॉ0 प्रेमसिंह मीणा है।

8.3 Anti Ragging Commitee

एन्टी रेगिंग कमेटी

इस महाविद्यालय मे एन्टी रेगिंग कमेठी का गठन स्थापना राज्य सरकार एवं यू.जी.सी. के आदेशानुसार किया गया है। वर्तमान में इस प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉ0 प्रेमसिंह मीणा तथा सदस्य श्री शम्भूनाथ मिश्र, श्री बृजबिहारी लाल पुरोहित हैं। इस कॉलेज में एन्टीरेगिंग कमेटी/शिकायत निवारण एवं अनुशासन प्रकोष्ठ के प्रभारी एवं सदस्य सक्रिय हैं जिसके कारण महाविद्यालय में अनुशासन सम्बन्धी किसी भी प्रकार की समस्याऐं नहीं आती हैं।

8.4 UGC CELL

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहभागिता

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस महाविद्यालय को 2एफ एवं 12बी में स्थायी सम्बद्धता सत्र 1999 से प्राप्त है। इस महाविद्यालय को यू.जी.सी. के 9वें प्लान में 2,45,000रू. तथा 10वें प्लान में 5,65000रू. एवं 11वें प्लान में 1,18,60,000रू. प्राप्त हुए हैं। जिनका सदुपयोग करने के लिए यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप योजनाबोर्ड का गठन महाविद्यालय में किया हुआ है। इसी योजना बोर्ड की देख रेख में समस्त राशि का सदुपयोग महाविद्यालय द्वारा किया गया है। यू.जी.सी. द्वारा प्राप्त मद से ही

इस महाविद्यालय में कम्प्यूटर, प्रिन्टर, फोटो कोपीयर, फेक्स, प्रोजेक्टर आदि का क्रय किया गया है। महाविद्यालय में यू.जी.सी. द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय कक्ष तथा सभा भवन एवं छात्र छात्राओं हेतु पृथक्–पृथक् सुविधाओं का निर्माण भी करवाया गया है। वर्तमान में यू.जी.सी. प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ0 सीताराम दोतोलिया प्राचार्य एवं सचिव श्री सुरेश चन्द शर्मा है। यू.जी.सी.के 11वें प्लान में प्राप्त राशि का समायोजन निम्नानुसार किया गया है:–

यू.जी.सी. के 11वें प्लान के अन्तर्गत स्वीकृत अनुदान एवं वर्षवार व्यय स्थिति

मद	स्वीकृत राशि	प्राप्त राशि	व्यय की गई राशि	वापस भेजी गई राशि	शेष प्राप्ति योग्य राशि
FIELD WORK AND STUDY TOUR	33840	33840	–	33840	–
BUILDING CONSTRUCTION GRANT AND EMPROVEMENT OF FACILITIES AND FURNITURE	12,80,000	7,40,000	7,39,802	198	5,40,000
GAMES DEVELOPMENT	20,00000	20,00000	20,00000	NIL	NIL
BOOKs AND JOURNALS	308080	308080	308043	37	NIL
EQUIPMENT	228080	228080	227257	823	NIL
MAINTINANCE OF EQUIPMENT	50,000	50,000	49802	198	NIL
STIPEND	6,00,000	6,00,000	5,00,000	1,00,000	NIL
TOTAL	45,00,000	39,60,000	38,25,102	1,34,898	5,40,000
MRP(MINER RESEARCH PROJECT)	3,60,000	2,45,000	2,45,000	–	1,15,000
STADIUM	70,00,000	35,00,000	35,00,000	–	35,00,000
GRAND TOTAL	1,18,60,000	77,05,000	75,70,102	1,34,898	41,55,000

श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय कालाडेरा, जयपुर

8.5 Women Cell

''महिला प्रकोष्ठ''

महिला उत्पीड़न निवारण समिति

आज के युग में महिलाओं की सुरक्षा पर राज्य सरकार का विशेष जोर है इसको मध्यनजर रखते हुए इस महाविद्यालय परिसर में छात्राओं के लिए सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए महिला प्रकोष्ठ का गठन किया हुआ है । प्रकोष्ठ का प्रमुख उद्देश्य छात्राओं के लिए महाविद्यालय परिसर में उनके विधिक अधिकार, स्वावलम्बन , स्वच्छता, बालिका भ्रूण हत्या, गर्लचाइल्ड का महत्व, महिला सशक्तिकरण, बालिका शिक्षा, परिवार नियोजन एवं बाल विवाह आदि विषयों पर व्याख्यानमालाओं एवं परामर्श द्वारा जानकारी प्रदान करना है।

यह प्रकोष्ठ छात्राओं में तार्किक शक्ति का विकास करने का भी कार्य करता है साथ ही छात्राओं में स्वाभिमान एवं आत्मविश्वास की भावना विकसित करता है। इस प्रकोष्ठ के सद्प्रयासो के फलस्वरूप महाविद्यालय में इसकी स्थापना के अनन्तर एक भी रेगिंग अथवा छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार का एक भी मामला सामने नही आया है।

इस महाविद्यालय मे कार्यरत डॉ0 शम्भुनाथ मिश्र इस प्रकोष्ठ के अध्यक्ष है एवं श्री जानकी बल्लभ शर्मा , व्याख्याता व डॉ0 प्रेम सिंह मीणा शारीरिक शिक्षक इस प्रकोष्ठ के सदस्य है।

8.6 Career and Counseling And Placement Cell

महाविद्यालय में छात्र/छात्राओं के लिए भविष्य में रोजगार एवं अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने हेतु एक कैरियर एवं कॉउन्सलिंग और प्लेसमेन्ट सेल का गठन किया हुआ है। इसके अन्तर्गत छात्र/छात्राओं को केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों की नियुक्तियों एवं विशेष पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु मार्गदर्शन दिया जाता है। महाविद्यालय के पास में रीकों का औधोगिक क्षेत्र है जहॉ से समय समय पर सूचना प्राप्त करके रोजगार हेतु छात्रों को भेजा जाता है। इस सेल के माध्यम से ही छात्रों की अन्य शैक्षिक समस्याओं का निराकरण भी किया जाता है। इस सेल की प्रतिमाह प्रगति रिपोर्ट निदेशालय को प्रेषित की जाती है। महाविद्यालय के लगभग 40–50 छात्र/छात्राऍ प्रतिवर्ष इसके माध्यम से विभिन्न कोर्सो में एवं विभागों में नियुक्त होते हैं।

8.7 Environment Protection

पर्यावरण संरक्षण हेतु विशेष प्रयास

पर्यावरण संरक्षण के महत्व को वर्तमान 21वीं सदी में पूरे विश्व के विकसित एवं विकासशील देशों ने स्वीकार किया है। भारतीय ऋषि परम्परा तो प्रचीन काल से ही पर्यावरण के प्रति जागरूक रही है, भारतीय संस्कृति का विकास ही प्रकृति की गोद में हुआ है। , इसलिए प्रकृति के प्रति भारतीय मनीषा सदैव देवत्व भाव अनुभव करती है। पृथ्वी को माता तो आकाश को पिता के रूप में सम्बोधित किया गया है। अथर्ववेद का पृथ्वी सूक्त पर्यावरण के प्रति भारतीय चिन्तन को स्पष्ट करता है। इसी चिन्तन से महाविद्यालय के छात्रों को अवगत कराते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु जागरूकता उत्पन्न की जाती है।

इस महाविद्यालय में छात्रों को यह बताया जाता है कि पर्यावरण संरक्षण का कार्य तो महत्त्वपूर्ण है ही अपितु तेज गति से विलुप्त हो रहे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं पुनर्भरण का कार्य भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु बनी नीतियों का धरातलीय स्तर पर क्रियान्वयन का कार्य समाज के सभी वर्गों तथा शिक्षण संस्थाओं को भी करना होता है। इसी भावना को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय में भी पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा पर विशेष बल दिया जाता है। विद्यार्थी वर्ग एवं महाविद्यालय परिवार स्वेच्छा से प्रति सप्ताह पर्यावरण संरक्षण हेतु श्रम दान करते हैं।

पर्यावरण चेतना हेतु महाविद्यालय में समिति का निर्माण किया हुआ है जो नियमित तत्सम्बन्धी कार्यक्रमों का सम्पादन एवं देखभाल करती है।

महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र को हरा भरा रखने की दृष्टि से महाविद्यालय में छात्रों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम किए जाते रहे हैं। सिर्फ वृक्षारोपण ही नहीं अपितु यज्ञ एवं हवन भी पर्यावरण शुद्धि के महत्त्वपूर्ण हेतु हैं ।

अतः महाविद्यालय मे हवन आदि का कार्य भी छात्रों से प्रायोगिक रूप में करवाया जाता रहा है।

राजस्थान सरकार ☎ – 0141–265482

कार्यालय : श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय

कालाडेरा (जयपुर) पिनः 303801

www.gdsgovtsanskritcollegekaladera.com

e-mail:gds.govt@gmail.com

स्थापना वर्ष 1972 (स्तर– स्नातक (डिग्री) शास्त्री त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम)

(2 एफ. एवं 12 बी. में यू.जी.सी. से पंजीकृत जून 1999 से)

क्रमांकः– दिनांकः–

Declaration

I certify that data the Included in this Self –Study Report (SSR) are true to the best of my Knowlegde .

This SSR is Prepared by the Institution after Internal discussions and no part there of has been out sourced.

I am aware that the peer team will vailad date the Information provided in this SSR during the peer team visit .

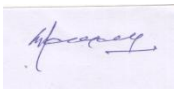

Place-Kaladera (Jaipur) Raj.
Date : 24-2-2016

(Dr. SITA RAM DOTOLIA)
PRINCIPAL
GDS GOVT. SHASTRI SANSKRIT COLLEGE
KALADERA (jaipur

राजस्थान सरकार

कार्यालय : श्रीमती गोविन्दी देवी सहरिया राजकीय शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय
कालाडेरा (जयपुर) पिनः 303801
दूरभाष : 0141– 265482 e-mail:gds.govt@gmail.com

पत्रांक : दिनांक :

UNDERTAKING

This is to certify that GDS Govt. Shastri Sanskrit College Kaladera, Jaipur fulfils all the norms

1. Stipulated by the affiliating university and/or
2. Regulatory council/body and
3. The affiliation and recognition (if applicable) is valid as on date

In case the affiliation/recognition is conditional then a detailed enclosure with regards to compliance of conditions by the institution will be sent.

It is noted that NAAC"s accreditation, if granted, shall stand cancelled automatically once the institution loses its university affiliation or recognition by the regulatory council, as the case may be.

In case the undertaking submitted by our institution found to be false then the accreditation given by NAAC is Liable to be withdrawn.

The undertaking given to NAAC is also displayed on our college website.

Date : 24-2-2016

Place: Jaipur

(Dr. SITA RAM DOTOLIA)
PRINCIPAL
GDS GOVT. SHASTRI SANSKRIT COLLEGE
KALADERA (jaipur)